राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,01 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 158 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारत में जून में सामान्य से 10 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई : आईएमडी

नई दिल्ली :

दिल्ली समेत उत्तर भारत से दक्षिण पश्चिम मानसून के लगातार दूर रहने के बावजूद जून में देश में सामान्य से 10 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। वर्तमान में दक्षिण पश्चिम मानसून बाड़मेर, भीलवाड़ा, धौलपुर, अलीगढ़, मेरठ, अंबाला और अमृतसर से होते हुए सदूरवर्ती उत्तरी सीमा से गुजर रहा है। आईएमडी ने बताया, ''19 जून से मानसून में कोई प्रगति नहीं हुई है जबकि तीन जून से 19 जून के बीच मानसून में अधिकतर प्रगति का अनुमान रहता है। दक्षिण पश्चिम मानसून दो दिन की देरी के साथ केरल में तीन जून को आ चुका है। आईएमडी के अनुसार राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के शेष हिस्सों में दक्षिण पश्चिम मानसून में प्रगति सात जुलाई को होने की संभावना है। मध्य एवं उत्तर भारतीय मैदानी इलाकों में जबरदस्त गर्मी है, जहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक चला गया है। मध्य, प्रायद्वीपीय और उत्तर पश्चिम भारत में मानसून अभी कमजोर है जबकि पूर्वोत्तर भारत, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश हो रही है। आईएमडी ने कहा, ''इस वर्ष देश में दक्षिण पश्चिम मानसून से 30 जून तक कुल बारिश दीर्घावधि औसत के हिसाब से सामान्य से 10 प्रतिशत अधिक रही।'' मौसम विभाग ने कहा, ''इस दौरान वास्तविक वर्षा सामान्य 16.69 सेमी की तुलना में 18.29 सेमी हुई है।''

यूपी धर्मांतरण केस में यूपी और गुजरात एटीएस ने वडोदरा के सलाउद्दीन को गिरफ्तार किया

अहमदाबाद . उत्तर प्रदेश के धर्मांतरण केस में यूपी एटीएस और गुजरात एटीएस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए वडोदरा के सलाउद्दीन अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है. उत्तर प्रदेश धर्मांतरण मामले में गुजरात कनैक्शन सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई. उत्तर प्रदेश एटीएस एक सप्ताह से सलाउद्दीन अंसारी की तलाश कर रही थी. अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे से सलाउद्दीन अंसारी को गिरफ्तार किया गया है. दरअसल उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण मामले में जिन पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उनसे पूछताछ में सलाउद्दीन अंसारी का नाम सामने आया था. इस खुलासे के बाद उत्तर प्रदेश एटीएस और गुजरात एटीएस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए सलाउद्दीन अंसारी को गिरफ्तार कर अहमदाबाद जिला कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर लिया है. आरोपी सलाउद्दीन किसी एनजीओ से जुड़ा है और विदेश से फंड प्राप्त कर मौलाना गौतम को पहुंचाता था. सलाउद्दीन के अन्य तीन साथियों की भूमिका के बारे में उत्तर प्रदेश एटीएस जांच कर रही है और आनेवाला समय में मौलाना गौतम से जुड़े सलाउद्दीन के अलावा अन्य कई आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना है.

मोदी कैबिनेट बैठक में

फ्री राशन, इंटरनेट और पावर सेक्टर के प्रस्तावों को दी गई मंजूरी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्ताव पर मुहर लगी। मोदी सरकार की तरफ से पावर डिस्ट्रिब्यूशन रिफॉर्म को मंजूरी दी गई। इसके लिए 3.03 लाख करोड़ रुपये मंजूर हुए। वहीं, गांव-गांव तक इंटरनेट पहुंचाने के लिए भारत नेट प्रोजेक्ट के तहत फंड को भी मंजूरी दे दी गई। अहम बैठक को लेकर जानकारी देकर केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि दो दिन पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोविड के कारण 6 लाख 28 करोड़ की मदद का खाका बताया था, उस भी कैबिनेट की बैठक में आज मंजूरी दे दी गई है। जावड़ेकर ने कहा कि नवंबर तक 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त राशन दिया जाएगा, इसका ऐलान पहले ही किया जा चुका है। कैबिनेट ने इसके लिए अब बजट (93,000 करोड़) की मंजूरी दे दी है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रत्येक गांव तक इन्फॉर्मेशन हाइवे पहुंचे, इसके लिए सरकार ने फैसला लिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने भारत नेट के लिए 19 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इसके तहत गांव-गांव में ब्रॉडबैंड सिस्टम को पहुंचाने का काम होगा। देश के 16 राज्यों में भारत नेट को पीपीपी मॉडल (30 साल का एग्रीमेंट) के तहत मंजूरी दी गई है। कुल प्रोजेक्ट 29 हजार करोड़ तक का है, जबकि भारत सरकार का 19 हजार करोड़ का हिस्सा है। इससे 3 लाख से अधिक गांव को ब्रॉडबैंड से जोड़ने का काम किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में कुल 9 पैकेज आएंगे, जबकि एक प्लेयर को अधिकतम 4 पैकेज दिए जाएंगे। बिजली क्षेत्र में रिफॉर्म को लेकर केंद्रीय कैबिनेट ने अहम फैसला लेकर 3.03 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए गए है। इसके तहत राज्य सरकारों की ओर से प्लान मांगा जाएगा, जिसके तहत केंद्र की ओर से उन्हें पैसा दिया जाएगा। इसके अलावा बड़े शहरों में ऑटोमैटिक सिस्टम को लागू करने की तैयारी है। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने जानकारी दी कि इसके तहत सोलर सिस्टम को मजबूत करने का भी प्लान है। पुरानी एचटी-एलटी को बदला जाएगा, ताकि 24 घंटे बिजली की ओर कदम बढ़ाया जा सके। साथ ही गरीबों के लिए प्रतिदिन रिचार्ज सिस्टम लाया जाएगा।

जम्मू एयरबेस में लगे एंटी-ड्रोन सिस्टम और जैमर

जम्मू ।

जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर हुए ड्रोन अटैक के बाद सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई है। इसके अलावा ऐसे किसी भी ड्रोन अटैक से निपटने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम और जैमर आदि को भी तैनात किया गया है। एयरफोर्स स्टेशन के टेक्निकल एरिया में रविवार को ड्रोन के जरिए विस्फोटक गिराए जाने के बाद यह फैसला लिया गया है। कि एनएसजी की ओर से एंटी ड्रोन सिस्टम लगाया गया है। इसके अलावा एंटी ड्रोन गन्स की भी तैनाती की गई है। इनकी मदद से किसी भी संदिग्ध ड्रोन को मार गिराया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि ड्रोन के किसी भी खतरे से निपटने के लिए यह सिस्टम लागू किया गया है। इसके लिए रेडियो फ्रिक्वेंसी डिटेक्टर और सॉफ्ट जैमर लगाया गया है। 27 जून को ड्रोन अटैक की घटना के बाद से राज्य में सुरक्षा बलों को अलर्ट कर दिया गया है। जम्मू एयरबेस पर ड्रोन अटैक ऐसा पहला हमला है, जिसे इस तरीके से पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों ने अंजाम दिया है। इसके बाद से ही सुरक्षा बलों की चिंताएं बढ़ गई हैं। आतंकवाद के इस तरीके ने सुरक्षा बलों के सामने नई चुनौती खड़ी की है। यही नहीं जम्मू एयरबेस पर अटैक के बाद भी लगातार दो दिनों तक कई इलाकों में ड्रोन देखे गए। इनमें से ही एक इलाका था, जम्मू में ही स्थित रत्नूचक-कालूचक मिलिट्री स्टेशन। हालांकि सैनिकों की ओर से फायरिंग किए जाने के बाद ये ड्रोन वापस चले गए। फिलहाल जम्मू में हुए हमले की जांच का जिम्मा राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया गया है। यही नहीं इस बीच सूत्रों का कहना है कि इस हमले में चीनी ड्रोन्स का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बता दें कि जम्मू में हुई घटना के मद्देनजर राजौरी जिले में प्रशासन ने ड्रोन मशीनों के भंडारण, बिक्री, परिवहन और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। राजौरी के जिलाधिकारी राजेश कुमार शवन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जिसके पास ड्रोन या ऐसी वस्तुएं हैं उन्हें स्थानीय पुलिस थाने में जमा करना होगा।

आप नेता संजय सिंह के खिलाफ मामला दर्ज, हिन्दु की भावनाओं को आहत करने का आरोप

लखनऊ। श्री रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की जमीन खरीद फरोख्त मामला तूल पकड़ता दिख रहा है, इस मामले को लेकर राजनीतिक पार्टी, संत समाज व हिंदू कार्यकर्ता आमने सामने आ गए हैं। ट्रस्ट की ओर से खरीदी गई जमीन को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ट्रस्ट के पदाधिकारी सहित 9 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग है। संजय सिंह के कदम से आहत साधु संतों व हिन्दू कार्यकर्ताओं ने संजय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अयोध्या जनपद के रहने वाले कार्यकर्ता ने नगर कोतवाली में संजय सिंह के खिलाफ तहरीर देकर उचित कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी तहरीर में कहा गया है कि विगत दिनों से आप नेता संजय सिंह की ओर से लगातार अमर्यादित तरीके से चंदा चोर शब्द का इस्तेमाल किया जा रा है, जिससे मुझ जैसे लाखों हिन्दू जनमानस को मानसिक उत्पीड़न हुआ है।इसके साथ ही मानहानि के नियत से झूठे मनगढंत बयान देकर देश के करोड़ों रामभक्तों को गुमराह करने की कोशिश लोगों के द्वारा की जा रही है, जिससे लाखों रामभक्तों की जनभावनाएं आहत हो रही है, ये लोग राममंदिर निर्माण में बाधा डालने के लिए भ्रामक कुप्रचार कर रहे हैं, जिससे राममंदिर ट्रस्ट की छवि धूमिल हो रही है। उन्होंने कहा कि इसतरह के आरोपों को हिंदू रक्षा सेना कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

महाराष्ट्र में डेल्टा प्लस के और 14 नए मामले सामने आने पर राज्य में अब कुल 35 केस

- ठीक हो चुके हैं 20 डेल्टा प्लस के मरीज

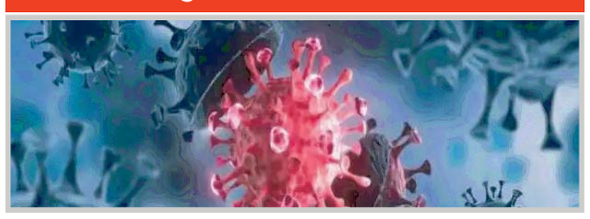

मुंबई।

महाराष्ट्र में भले ही कोरोना की दूसरी लहर मंद पड़ती जा रही है मगर कोरोना का डेल्टा प्लस वेरिएंट के मामले बढ़ते जा रहे हैं जिससे सरकार के समक्ष नई चुनौती सामने आ गई है. खबर है कि राज्य में डेल्टा प्लस के और 14 नए मामले सामने आए हैं. महाराष्ट्र में पहले से ही डेल्टा प्लस के 21 मामले थे. इनमें से रत्नागिरी में एक 80 वर्षीया बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी. अब अब इन नए 14 मामलो को मिलाकर राज्य में 35 डेल्टा प्लस के मरीज पाए गए हैं. पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी है. इस जानकारी के मुताबिक देश में डेल्टा प्लस वेरिएंट के कुल 66 मरीज हो गए हैं. इनमें से 35 महाराष्ट्र में पाए गए हैं. डेल्टा प्लस वेरिएंट की बढ़ती हुई चिंताओं को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में प्रतिबंधों और कोरोना काल के नियमों को और कड़े कर दिए हैं. डेल्टा प्लस वेरिएंट के मरीज महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा रत्नागिरी और जलगाव जिले में पाए जा रहे हैं.

- ठीक हो चुके हैं 20 डेल्टा प्लस के मरीज

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि महाराष्ट्र में पहले जो 21 मरीज पाए गए थे. उनमें से एक 80 साल की बुजुर्ग महिला की रत्नागिरी में मौत हो गई थी. लेकिन यह दावे से नहीं कहा जा सकता कि उनकी मौत डेल्टा प्लस वेरिएंट से हुई थी. वे अन्य बीमारियों से भी ग्रसित थीं और उनकी उम्र भी बहुत हो चुकी थी. बाकी 20 डेल्टा प्लस के मरीज ठीक हो चुके हैं.

प्रियंका के बाद राहुल से मिले नवजोत सिंह सिद्धू

नई दिल्ली ।

पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू राहुल गांधी से मिलने उनके आवास पहुंचे। कांग्रेस की पंजाब इकाई में व्याप्त कलह को दूर करने के प्रयासों के बीच नवजोत सिंह सिद्धू ने आज पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के साथ भी लंबी बैठक की थी। इससे पहले सिद्धू से मिलने के बाद प्रियंका गांधी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मिलने दिल्ली स्थित उनके आवास पहुंचीं। ज्ञात रहे कि पंजाब में कांग्रेस की कलह दूर करने के प्रयास के तहत राहुल गांधी ने हाल के दिनों में पार्टी के कई नेताओं के साथ मंथन किया था। पार्टी की तीन सदस्यीय समिति ने भी 100 से अधिक नेताओं और मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के साथ मंत्रणा की थी। कुछ सप्ताह पहले मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिली थी। इन दिनों सिद्धू एक बार फिर से मुख्यमंत्री को घेर रहे हैं। विधायक परगट सिंह और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कुछ अन्य नेताओं ने भी मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व अमरिंदर सिंह के चेहरे के साथ

चुनाव में उतरने का पक्षधर है, वह सिद्धू को भी साथ लेकर चलना चाहता है। सूत्रों की मानें तो सिद्धू अब भी सरकार में नेतृत्व परिवर्तन पर जोर दे रहे हैं, लेकिन पार्टी की ओर से उन्हें संगठन में सम्मानजनक स्थान की पेशकश के साथ मनाने का प्रयास किया जा रहा है।

चार साल में जीएसटी की दर घटी, करदाता बढ़े, अब तक 66 करोड़ से अधिक रिटर्न दाखिल किए गए

नई दिल्ली । वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था के चार साल पूरे होने के मौके पर वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि अब तक 66 करोड़ से अधिक जीएसटी रिटर्न दाखिल किए गए, कर की दरों में कटौती की गई है और करदाताओं की संख्या में अपेक्षित बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पूरे देश में राष्ट्रव्यापी जीएसटी एक जुलाई 2017 को लागू की गई था, जिसमें उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट और 13 उपकर जैसे कुल 17 स्थानीय कर समाहित थे। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा कि जीएसटी ने सभी करदाताओं के लिए अनुपालन को सरल बना दिया है और जीएसटी परिषद ने कोविड-19 महामारी के प्रकोप के मद्देनजर कई राहत उपायों की सिफारिश भी की है। जीएसटी के तहत 40 लाख रुपए तक वार्षिक कारोबार वाले व्यवसायों को कर से छूट दी गई है। इसके अतिरिक्त 1.5 करोड़ रुपए तक के टर्नओवर वाले लोग कंपोजिशन स्कीम का विकल्प चुन सकते हैं और केवल एक प्रतिशत कर का भुगतान कर सकते हैं। इसी तरह सेवाओं के लिए एक साल में 20 लाख रुपए तक कारोबार वाले व्यवसायों को जीएसटी से छूट दी गई है। इसके बाद एक साल में 50 लाख रुपये तक का कारोबार करने वाले सेवाप्रदाता कंपोजिशन स्कीम का विकल्प चुन सकते हैं और उन्हें केवल छह प्रतिशत कर का भुगतान करना होगा।मंत्रालय ने ट्वीट किया अब यह व्यापक रूप से स्वीकार कर लिया गया है कि जीएसटी उपभोक्ताओं और करदाताओं, दोनों के अनुकूल है। जीएसटी से पहले उच्च कर दरों ने कर भुगतान करने को हतोत्साहित किया, हालांकि जीएसटी के तहत कम दरों ने कर अनुपालन को बढ़ाने में मदद की।

कोलकाता फर्जी टीकाकरण

केंद्र ने ममता सरकार से दो दिनों में मांगी रिपोर्ट, सख्त कार्रवाई के निर्देश

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से कोलकाता के कुछ इलाकों में कथित तौर पर गैर कानूनी तरीके से कोविड-19 टीकाकरण शिविर आयोजित करने के मामले की जांच कर अगले दो दिनों में रिपोर्ट सौंपने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव कृष्ण द्विवेदी को 29 जून को पत्र लिखकर मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। भूषण द्वारा लिखे गए पत्र में पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेन्दु अधिकारी के 25 जून को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन को लिखे गये उस पत्र का संदर्भ दिया गया है जिसमें कथित तौर पर अनधिकृत लोगों द्वारा टीकाकरण शिविर लगाये जाने को लेकर ध्यान आकर्षित कराया गया था। भूषण ने पत्र में कहा कि कोलकाता नगर निगम के कुछ इलाकों में खासतौर पर कस्बा इलाके में लगाए गए टीके में किसी भी लाभार्थी को कोविन के जरिये टीकाकरण प्रमाण पत्र नहीं मिला जिससे इन शिविरों के वास्तविक होने पर आशंका पैदा हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा, ''दिशानिर्देशों के मुताबिक कोविड-19 के सभी टीकाकरण सत्र कोविन पोर्टल के जरिये आयोजित किए जाने चाहिए और सभी टीकाकरण के रिकॉर्ड भी इस पोर्टल पर दर्ज किए जाने चाहिए। टीका लगाने के बाद उसकी जानकारी कोविन पोर्टल में सफलतापूर्वक दर्ज होने पर टीकाकरण प्रमाण पत्र डिजिटल और भौतिक माध्यम से लाभार्थी को दिया जाना चाहिए।'' केंद्र ने समय-समय पर राज्यों को सलाह दी है कि लाभार्थी को टीकाकरण प्रमाणपत्र दिया जाना चाहिए। भूषण ने कहा, ''इन प्रमाण पत्रों के जारी नहीं होने से टीकाकरण शिविरों के 'फर्जी' होने की आशंका पैदा होती है और इससे ऐसे शिविरों में लगाए गए टीके में मौजूद सामग्री को लेकर भी शंका पैदा होती है, अगर ऐसे मामलों की तुरंत जांच नहीं की जाती है और इससे नहीं निपटा जाता है तो दोबारा ऐसी घटनाएं हो सकती हैं।%%

उन्होंने कहा, ''इसलिए अनुरोध किया जाता है और इस मामले की तुरंत जांच की जाए और जरूरी हो तो मामले में उचित एवं सख्त कदम उठाए जाएं। यह भी अनुरोध किया जाता है कि इस मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट अगले दो दिनों में मंत्रालय को भेजी जाए।'' कुछ राज्यों में फर्जी टीकाकरण शिविर आयोजित करने की खबरों का संदर्भ देते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने 25 जून को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर क्षेत्र में कार्य कर रहे अधिकारियों को कार्यालयों और घर के नजदीक आयोजित टीकाकरण सत्रों की निगरानी के लिए उचित निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया था, खासतौर पर निजी कोविड टीकाकरण केंद्रों को ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि सभी सत्र कोविन पोर्टल से हों और इस दौरान दी गई खुराक भी कोविन पोर्टल पर दर्ज हो। गौरतलब है कि 25 जून को लिखे पत्र में अधिकारी ने कहा था कि मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्य टीकाकरण में रोज कीर्तिमान बना रहे हैं जबकि पश्चिम बंगाल राज्य सरकार की उत्सुकता की कमी की वजह से पिछड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''कई स्थानों पर सत्तारूढ़ दल से राजनीतिक जुड़ाव को टीका देने से पहले देखा जा रहा है। सत्तारूढ़ दल द्वारा मतदान पर्ची की तरह टीकाकरण कूपन दिए जाने की खबर है लेकिन गत 48 घंटे में सामने आई घटनाएं और चिंता पैदा करती हैं।'' अधिकारी ने कहा कि देवंनजन देब ने आईएएस अधिकारी बन कोलकाता के केंद्र कस्बा के वार्ड संख्या 107 में गैर कानूनी टीकाकरण शिविर लगाया। इस दौरान किसी को टीकाकरण का प्रमाण पत्र नहीं दिया गया। इस बीच, कोलकाता पुलिस ने अधिकारी के आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दीपिका का कीर्तिमान

भारत की दिग्गज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने देश का नाम रोशन कर दिया है। पेरिस में जारी तीरंदाजी वर्ल्ड कप में इतिहास रचते हुए दीपिका ने एकल, महिला रिकर्व टीम और मिश्रित युगल मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीता है। खास यह है कि दीपिका ने रविवार को अपने पति अतानु दास के साथ मिलकर मिश्रित युगल में स्वर्ण पर निशाना लगाया। ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाली अतानु और दीपिका की यह पहली जोड़ी है। तीरंदाजी में दीपिका कुमारी के लिए यह सबसे खास मुकाम है। उनके प्रदर्शन की जितनी सराहना की जाए, कम होगी। पेरिस में जारी तीरंदाजी वर्ल्ड कप में उनसे ऐसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद किसी को नहीं होगी। इस शानदार जीत के बाद ओलंपिक खेलों में भारत के लिए पदक की आशा बहुत बढ़ गई है। भारत रत्न सचिन तेंदुलकर ने दीपिका कुमारी की शानदार कामयाबी की भरपूर सराहना की है, तो कोई आश्चर्य नहीं है। सचिन ने बड़े उत्साह के साथ कहा है कि पेरिस में दीपिका ने जिस तरह का खेल दिखाया है, उससे समझ आ गया है कि ओलंपिक खेलों के दौरान दुनिया को क्या देखने को मिलेगा।

वाकई दीपिका कुमारी इस सफलता और मान्यता की सही मायने में हकदार हैं। रिकर्व इंडिविजुअल इवेंट में दीपिका ने रूस की एलेना ओसीपोवा को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता है। इतने भारी अंतर से जीत कोई तुक्का नहीं है। महिला रिकर्व टीम स्पर्द्धा में दीपिका की अगुवाई वाले भारतीय दल ने मेक्सिको की टीम को 5-1 से हराकर स्वर्ण जीता, तो मिश्र युगल में अतानु और दीपिका ने हॉलैंड की जोड़ी जेफ वान देन बर्ग और गेबी स्च्लोएसेर को हराकर स्वर्ण अपनी झोली में डाला। तीरंदाजी की दुनिया में यह एक बड़ी घटना है, जिसकी खूब चर्चा हो रही है। दीपिका का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा चमक के साथ उभरकर आया है। अपनी इस शानदार कामयाबी पर दीपिका ने उचित ही कहा कि 'मैं ऐसा प्रदर्शन करके बहुत खुश हूं और इसे बरकरार रखना चाहती हूं। मैं इसमें और सुधार करना चाहती हूं, क्योंकि आगे आने वाले टूर्नामेंट्स मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। मैं जो सीख सकती हूं, उसे जारी रखने की पूरी कोशिश करूंगी।'

दीपिका कुमारी की टिप्पणी से भी ज्यादा प्रेरक टिप्पणी उनके पति तीरंदाज अतानु दास की है, जिन्होंने कहा है, 'हम दोनों एक-दूसरे के लिए बने हैं। मुझे लगता है कि इसी कारण हमारी शादी हुई है। हम एक-दूसरे को न केवल प्रेरित करते हैं, बल्कि एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाते हैं और एक साथ जीतते हैं।' भारतीय खेलों में जोड़ियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। कई बार पदक तक का सफर खिलाड़ियों को अकेले ही पूरा करना पड़ता है, लेकिन जब किसी मजबूत साथी का साथ मिलता है, तो कामयाबी में चार चांद लग जाते हैं। आज अगर अपने इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत दीपिका दुनिया की नंबर वन तीरंदाज बन गई हैं, तो इसमें अतानु दास की अहम भूमिका है। इस जोड़ी को ओलंपिक पदक के लिए सम्मिलित रूप से कोशिश करनी चाहिए। दीपिका से भारत की उम्मीदें बढ़ गई हैं, उन्हें दिलो-जान से अभ्यास में जुट जाना चाहिए। पेरिस में उनके प्रदर्शन से लगता है कि यह समय उनके लिए अनुकूल चल रहा है। अत- उन्हें अपनी ताजा कामयाबी से आगे बढ़कर अगली प्रतिस्पर्द्धा पर फोकस करना चाहिए।

कहां अटक गया मानसून

कहां तो मानसून समय से 10-12 दिन पहले ही दिल्ली-एनसीआर में आ धमकने वाला था। पूरी उम्मीद बन गई थी कि जिस गति से यह आगे बढ़ रहा है उससे 15 जून से दिल्ली में भी मानसून की झमाझम बारिश शुरू हो जाएगी, लेकिन इसकी गाड़ी उत्तराखंड और पूर्वी भारत से दिल्ली आते-आते मेरठ और अलीगढ़ के आसपास ऐसी अटकी कि इसका दम ही फूल गया। मौसम विज्ञानियों ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ का धक्का ही इसे दिल्ली-एनसीआर तक पहुंचा सकता है। अब लोग समझ चुके हैं कि मौसम विभाग की सुनने की बजाए मानसून अपनी परंपरागत दुलकी चाल से ही आगे बढ़ेगा और परंपरागत समय बीत जाने के बाद ही दस्तक देगा। आमतौर पर उत्तर भारत के राजधानी वाले हिस्से में मानसून जून के आखिरी हफ्ते या जुलाई के पहले हफ्ते में आता है। जून का आखिरी हफ्ता तो सूखा निकल गया अब जुलाई के पहले हफ्ते में भी इसके बरसने के आसार कम ही लग रहे हैं। मौसम विभाग ने इस साल भी मानसून के सामान्य रहने की उम्मीद जताई थी, इससे किसान खुश थे। सरकार उनकी सुने न सुने; प्रकृति तो मेहरबान रहने वाली है, लेकिन अब मामला अटक गया है। इस मौसम में अब तक केवल एक कम दबाव का क्षेत्र बना हैं जिसके कारण मानसून ने 10 दिन में ही 80 फीसद भारत को कवर कर लिया था। पिछले दो तीन दिन से शाम के वक्त आंधी के हालात बन रहे हैं या कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो रही है। इससे राहत मिलने के बजाए उमस बढ़ रही है। अधिकतम तापमान दिन के वक्त 38 डिग्री से ऊपर ही चल रहा है दिल्ली-एनसीआर में अभी तक के अनुमान के अनुसार 34 फीसद तक कम बारिश हुई है। एक ओर जहां उत्तर पूर्व और उत्तराखंड में जोरदार बारिश हो रही है। उत्तराखंड में नदियां उफान पर हैं, पूर्वी उप्र और बिहार के अनेक इलाकों में नेपाल की नदियों के कारण बाढ़ के हालात हैं। बिहार में विधानमंडल और उपमुख्यमंत्री आवास पहली बारिश में ही डूब चुके हैं। लगता है मानसून आने में देरी करके दिल्ली-एनसीआर में शासन-प्रशासन को एक मौका दे रहा है कि नाले साफ कर लो, फॉगिंग और छिड़काव कर लो। बाद में यह पहचान करना मुश्किल हो जाएगा कि मरीजों में लक्षण मलेरिया के हैं, डेंगू के या कोरोना के हैं।

परिधि/राजीव मंडल

लुच्चों की पचास पर्सेंट वर्क

उस टीवी सीरियल में वह पुरुष कलाकार एक साथ अब छह महिलाओं के साथ अफेयर ना चला रहा था, सिर्फ तीन महिलाओं के साथ अफेयर चल रहा था उसका। उसी सीरियल में उस महिला कलाकार का अफेयर एक साथ छह पुरुषों से ना चल रहा था, सिर्फ तीन पुरुषों से प्रेम वार्ता हो रही थी उसकी। अफेयरबाजी इतनी कम क्यों हो गयी है-मैंने पत्नी से पूछा, जो सीरियलों पर कड़ी निगाह रखती हैं। उन्होने बताया कि कोरोना लॉकडाऊन में सहको पचास परसेंट कैपेसिटी पर ही काम करने की परमीशन है। सो अफेयरबाजी भी पचास परसेंट कम हो गयी है।

छह के बजाय तीन में ही काम चलाना पड़ रहा है लुच्चों को। पर अगली बात बहुतै खतरनाक मालूम पड़ी वह यह कि लुच्चे मजबूरी में ही कुछ शरीफ हो रहे हैं, तो पब्लिक को पसंद नहीं आ रही है यह बात। ऐसे सीरियलों की टीआरपी लोकप्रियता कुछ कम हो रही है। पब्लिक को भी शराफत कुछ खास पसंद नहीं है। एक सीरियल बने जिसमें परिवार में सुख शांति है, पति ईमानदारी से नौकरी करता है, पत्नी एकदम किफायत से घर चलाती है। बच्चे एकैदम आज्ञाकारी टाइप हैं, बना लो इस पर सीरियल, पहले दिन फ्लाप हो जाएगा।

राहुल की पत्नी आशीष से फंसी है और आशीष की पत्नी का चक्कर अनंत है और अनंत खुद राहुल में अलग तरह की दिलचस्पियां दिखा रहा है, यह है प्लाट हिट सीरियल का। लुच्चे ओवरटाइम करें, तो पब्लिक पसंद करती है। छह के बजाय बारह अफेयर कर लें लुच्चे, तो सीरियल हिट हैं। लुच्चे शरीफ हो जाएं, तो सीरियल की टीआरपी डाऊन। वो ही हाल है, लुच्चे तो शरीफ बन जाएं, पर दुनिया बनने दे ना। सीरियलों की अलग आफत-रोज नई-नई लुच्चई कहां से लाएं। कोरोना के चक्कर में शूटिंग पर प्रतिबंध चल रहा है। सीरियल की शूटिंगवाली इकाइयां होटलों में जम गई हैं, सो स्टोरी अब होटलों के ईद-गिर्द घूम रही है। होटलों में कोई कितनी लुच्चई दिखा सकता है बहुआयामी लुच्चई के लिए तो खुला वातावरण चाहिए। कम केपेसिटी पर काम करन पड़ रहा है लुच्चों को, पर इस बात पर उनसे ज्यादा सीरियल दर्शक जनता परेशान है।

नजराना, शुकराना और जबराना

विभूति नारायण राय

भारतीय समाज की बहुत सारी कमियों-कमजोरियों के लिए हम अक्सर अंग्रेजों को दोष देते रहते हैं, और इस चक्कर में भूल जाते हैं कि इनमें से ज्यादातर तो उनके आने के बहुत पहले से हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुके थे। भ्रष्टाचार इन्हीं में से एक है। याद कीजिए महाकवि कालिदास की कालजयी कृति अभिज्ञान शाकुंतलम, जिसका एक पात्र मछुआरा शकुंतला की उंगली से फिसली अंगूठी निगल गई मछली पकड़कर बड़ा प्रसन्न है और उसे बेचकर धनवान बनने के सपने देख रहा है, तभी राज्य कर्मियों की नजर उस पर पड़ जाती है। इस अप्रत्याशित धन प्राप्ति में उनका भी हिस्सा है, यह समझाने में उन्हें बहुत समय नहीं लगता। यह अलग बात है कि कहानी में कुछ ऐसा मोड़ आता है कि उनकी सौदेबाजी परवान नहीं चढ़ पाती और मछुआरे को राजा के सामने पेश होना पड़ता है।

अंग्रेजों के शासक बनने के बाद एक बुनियादी फर्क नौकरशाही के चरित्र में आया कि वह कद-काठी में बहुत बड़ी हो गई और सरकार हर गांव तक पहुंच गई। पर विशालता से उसके मूल चरित्र में कोई फर्क पड़ा हो, ऐसा नहीं लगता। फर्क सिर्फ दोनों समाजों की आंतरिक संरचना में था। यह फर्क भाषा में आसानी से पकड़ में आ जाता है। नजराना, शुकराना और जबराना - ऐसे ही तीन शब्द हैं, जो हमारे समय और भाषा के जबर्दस्त चितेरे प्रेमचंद की रचनाओं में ग्रामीण भारत और सरकारी तंत्र के आपसी संवाद में भरपूर इस्तेमाल होते दिखते हैं। अंग्रेज कलक्टर या कप्तान को इलाके के बड़े ताल्लुकेदार या जमींदार डालियां सजाकर पहुंचाते थे। इनमें अमूमन मौसमी फल-फूल और सब्जियां होते थे और इन्हें नजराना कहते थे। कृषि या बागवानी की उपज के अलावा बहुत अपवादस्वरूप किसी डाली में मुद्रा या आभूषण होते। नजराने की टोकरी स्वीकारने के बाद साहब बहादुर पेश करने वालों को धन्यवाद कहता था, यह उसका सांस्कृतिक प्रशिक्षण था। वर्ण-व्यवस्था में विश्वास रखने वाले भारतीय साहबों ने अधिकार के साथ भेंट वसूल करना शुरू किया। उसे लगता था कि उसने देने वाले की भेंट स्वीकार कर उस पर एहसान किया है और इसके लिए देने वाले को ही शुक्रिया अदा करना चाहिए। किसी एहसान के एवज में भेंट दी गई है, इसलिए शब्द बना शुकराना! लेकिन जल्द ही सरकारी तंत्र ने अपने हर काम की कीमत तय कर दी और उसे हासिल करना सरकारी कर्मी का हक बन गया और उसे जबरन वसूला जा सकता है, इसलिए भाषा को एक नया शब्द मिला- जबराना। नजराना से जबराना तक का एक दिलचस्प सांस्कृतिक सफर है।

परिवर्तनों को पकड़ने के लिए भाषा एक अच्छा औजार है। अब तो जनता भी जबराना वसूलने वाले को भेंट चढ़ाने के पहले कहती है कि इतना तो आपका हक बनता है। जब 'हक' से अधिक उम्मीद की जाती है, तभी कोई असंतुष्ट दिखता है। मैंने कहीं पढ़ा था कि हरियाणा के एक जमीनी यथार्थ से जुड़े मुख्यमंत्री से जब उनके चुनाव क्षेत्र के किसी कार्यकर्ता ने शिकायत की कि उसके ट्यूबवेल को बिजली का कनेक्शन देने के लिए रिश्वत मांगी जा रही है, तो उन्होंने मांगी गई रकम शिकायतकर्ता को देते हुए कहा कि जाओ, अपना काम करा लो। जाहिर था, वह किसी का हक नहीं मारना चाहते थे। आखिर उस इंजीनियर की तैनाती भी तो उन्होंने जबराना वसूलने के बाद ही किया था।

> हर संकट की तरह कोरोना आपदा में घिरे मनुष्यों से भी जबर्दस्त वसूली करने में अधिकार संपन्न ताकतवरों ने कोई कसर नहीं छोड़ है।

एक पत्रकार मित्र आजकल अपने गांव में गए हुए हैं, उनके लिहाज से भूमि-राजस्व से जुड़ा उनका काम बड़ा छोटा सा है। लेकिन बिहार की जमीनी भाषा में कर्मचारी (संभवत- लेखपाल या पटवारी) ऐसा नहीं सोचता। उसका कुछ हक बनता है, जिसे पत्रकार महोदय अपने मुंह से नहीं बोल रहे और वह भी कुछ संकोच और कुछ भयवश नहीं कह पा रहा। काम तो तभी होगा, जब उसका 'हक' उसे मिल जाएगा!

मुझे कोरोना काल में यह देखकर एक रोचक सी अनुभूति हो रही है कि हर संकट की तरह इस आपदा में घिरे मनुष्यों से भी जबर्दस्त वसूली करने में अधिकार संपन्न ताकतवरों ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। फर्क इतना आया है कि अब शक्ति के गैर-सरकारी केंद्र बन गए हैं। राज्य ने शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में खुद को समेटना शुरू कर दिया है। एक नई सैद्धांतिकी विकसित हुई है, जिसे बाजार की स्वायत्तता कहते हैं और राज्य ने कहना शुरू कर दिया है कि शिक्षा या स्वास्थ्य से उसका कोई रिश्ता नहीं है। अब जबराना बाजार की शक्तियों ने वसूलना शुरू कर दिया है। यह अलग बात है कि वे अधिक बेलगाम हैं और उनकी दरें भी अधिक हैं। कोरोना काल की शुरुआत में ही इसका अनुभव जनता को हो गया, जब किसी भी तरह से घर पहुंचने को बेताब दुखी जन अपनी सारी बचत स्वाहा करके ही बसों में लटकने की जगह पा सके। जो बीमार पड़े, वे इतने भाग्यशाली नहीं थे। सरकार ने पहले दौर में अपनी जीत की घोषणा करने के बाद दूसरे दौर में उन्हें पूरी तरह बाजार के हवाले कर दिया। फिर एंबुलेंस की सवारी से लेकर बेड हासिल करने और दवा या ऑक्सीजन तक जो जबराने का खेल चला, वह श्मशान घाट पहुंचकर भी खत्म नहीं हुआ।

इस बार शायद राज्य ने 'जबराने' को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया था, इसलिए उसने किसी तरह बड़बोलेपन से परहेज किया। पिछली बार तो पूरे देश को मजदूर सप्लाई करने वाले उत्तर प्रदेश और बिहार ने दावे किए थे कि अब वे अपने प्रवासियों को दर-दर नहीं भटकने देंगे और उन्हें अपने गांवों/शहरों में ही रोजगार उपलब्ध करा देंगे। उनके राजनेताओं ने इस बार ये दावे नहीं किए। उन्हें इस बीच अपने दावों के खोखलेपन का एहसास हो गया होगा कि उनके प्रदेशों की जबराना वाली संस्कृति ऐसी किसी भी योजना को परवान नहीं चढ़ने देगी, जिसके चलते स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित हो सकें। एक तरह से अच्छा ही हुआ कि सरकारें अपनी भद्द पिटवाने से बच गईं और प्रवासी भी गलत उम्मीदों में नहीं फंसे और लॉकडाउन में छूट मिलते ही अपने-अपने टिकट कटाकर रोजगार स्थलों की तरफ निकल भागे। मैं अपने पत्रकार मित्र के लौटने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। वह लौटें, तो पता चलेगा कि बिना जबराना दिए वह अपनी पैतृक जमीन के कागजात ठीक करा पाए या नहीं? उम्मीद तो यही है कि नजराने से शुरू होकर शुकराने होकर जबराने तक पहुंची परंपरा अभी भी उनके गांव में बरकरार होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जनसंख्या नियंत्रण

साझे प्रयासों में ही है समाधान

अनुप भटनागर

'लव जिहाद' की कथित घटनाओं के बहाने भाजपा शासित राज्यों में बनाये जा रहे धर्मांतरण निरोधक कानून की तर्ज पर ही अब असम के बाद उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य भाजपा शासित राज्य भी दो से ज्यादा संतान वाले व्यक्तियों को सरकारी नौकरी जैसी सुविधा से वंचित करने जैसे कदम उठाने की तैयारी कर रहे हैं। इसका मकसद जनसंख्या पर नियंत्रण के लिये जनता को प्रेरित करना है ताकि प्राकृतिक संसाधनों और सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों को यथासंभव समान रूप से मिल सके। लेकिन सरकारों के प्रयासों पर राजनीति शुरू हो गयी है। जनसंख्या नियंत्रण के किसी भी प्रयास को सांप्रदायिक रंग देना राजनीतिक दिवालियापन और संकीर्ण सोच दर्शाता है। कोरोना संकट के दौरान सभी ने तेजी से बढ़ रही जनसंख्या के दुष्परिणामों को महसूस किया है। राज्यों में चिकित्सा सुविधाओं, अस्पतालों का अभाव, ऑक्सीजन और दवाओं के भारी संकट की वजह से लोगों ने प्रियजनों को दम तोड़ते देखा है।

देश में प्राकृतिक बल्कि मानव निर्मित संसाधन भी सीमित हैं। प्राकृतिक संसाधनों की कमी और इनके बेतहाशा दोहन से उत्पन्न खतरों पर देश की सर्वोच्च न्यायपालिका भी चिंता व्यक्त करती रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है। जनसंख्या के अनुपात में चिकित्सा सुविधायें, शिक्षा, आवास, बिजली पानी, खाद्य सामग्री और न्याय प्रदान करने की व्यवस्था उपलब्ध करना मुश्किल हो रहा है।

आखिर अगर सरकार दो से ज्यादा संतान वाले व्यक्तियों को सरकारी नौकरी जैसी सुविधा से वंचित करने का निर्णय लेती है तो इसे सिर्फ मुसलमान विरोधी कैसे ठहराया जा सकता है? पंचायत स्तर के चुनावों के लिये दो संतानों का फार्मूला पहले ही कई राज्यों में लागू है। हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और ओडिशा आदि राज्यों ने बाकायदा कानून बना रखा है। इस कानून को उच्चतम न्यायालय ने भी संवैधानिक ठहराया है। दो से अधिक संतान वाले व्यक्तियों को सरकारी नौकरी नहीं देने का संबंध है तो इस बारे में सबसे पहले पिछले साल असम सरकार ने फैसला लिया था। राज्य में कुछ विशेष सरकारी योजनाओं का लाभ में दो बच्चों की नीति लागू की जायेगी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सहित भाजपा शासित राज्यों में इसी तरह की योजनाएं शुरू करने और दो संतान वाले परिवारों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ देने पर सुगबुगाहट शुरू हो गयी।

इसी बीच, उत्तर प्रदेश के विधि आयोग ने भी कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के लिये उचित योजना लागू करने पर विचार किया जा रहा है। इस आयोग के अध्यक्ष आदित्य नाथ मित्तल के अनुसार इसका उद्देश्य जनसंख्या नियंत्रण में मदद करने वालों को प्रोत्साहित करना है। देश में जनसंख्या की विस्फोटक स्थिति पर राष्ट्रपति से लेकर निचले स्तर तक राजनीतिक दलों और संगठनों ने चिंता व्यक्त की है। लगातार दो संतान की नीति अपनाने पर जोर दिया जाता है लेकिन हर बार इस तरह के प्रयास को आपात काल में 'हम दो हमारे दो' और 'छोटा परिवार सुखी परिवार' अभियान को सफल बनाने के दौरान हुयी ज्यादतियों की ओर सबका ध्यान खींचा जाता है। यह भी कितना विचित्र है कि एक ओर लगभग सभी दल बढ़ती जनसंख्या से चिंतित हैं और राज्यसभा में तो कांग्रेस तथा शिवसेना के सदस्य निजी विधेयक तक लाते हैं लेकिन सार्वजनिक मंचों पर कुछ दल इससे इतर दलीलें देने और अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव की बातें करते हैं।

देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एम.एन. वेंकटचलैया की अध्यक्षता में गठित संविधान के कामकाज की समीक्षा करने वाले आयोग ने भी जनसंख्या नियंत्रण के लिये संविधान में एक नया अनुच्छेद 47-ए शामिल करने का सुझाव दिया था।

इससे पहले नरसिंह राव सरकार के कार्यकाल के दौरान इस संबंध में एक संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश भी किया गया था। इसमें दो से अधिक संतान वाले व्यक्तियों को संसद और विधानमंडलों का चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराने का प्रस्ताव था लेकिन बात आगे नहीं बढ़ सकी थी।

संभवत: यही वजह थी कि सबसे पहले पंचायत स्तर पर दो से ज्यादा संतानों वाले व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से वंचित करने के बारे में कानून बनाये गये जो पूरी तरह सफल रहे हैं। चूंकि राजनीतिक बाध्यताओं की वजह से जनसंख्या नियंत्रण के बारे में केन्द्रीय कानून बनाने में दिक्कतें आ रही हैं, संभवत- इसीलिए राज्य अब अपने सीमित संसाधनों का श्रेष्ठतम उपयोग करने के लिए सरकारी नौकरियों और कुछ विशेष योजनाओं में दो संतानों की नीति लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

उम्मीद की जानी चाहिए कि देर-सवेर राजनीतिक दल और तमाम संगठन देश में बढ़ती जनसंख्या की समस्या और चुनौतियों पर राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर देशहित में इस पर अंकुश लगाने के बारे में सोचेंगे।

लव जिहाद

धर्मान्तरण पर कठोर कानून की आवश्यकता

डॉ. रामकिशोर उपाध्याय

हमारे संविधान ने सभी धर्मावलम्बियों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया है किन्तु धार्मिक स्वतंत्रता की आड़ में जिस प्रकार धर्मान्तरण किये जा रहे हैं उससे पुन: इस धारा की व्याख्या करने की आवश्यकता उपस्थित कर दी है। नोएडा डेफ सोसायटी के मूक-बधिर बच्चों के धर्मान्तरण की घटना ने पूरे देश को चौंका दिया है। यद्यपि देश के भिन्न-भिन्न राज्यों में धर्मान्तरण रोकने के लिए अलग-अलग कानून हैं किन्तु कोई भी राज्य इस बात का विश्वास नहीं दिला सकता कि उसके यहाँ धर्मान्तरण पूर्णत: रुक गया है। अभी इस अपराध में दो वर्ष से लेकर अधिकतम सात वर्ष की सजा का प्रावधान है। जुर्माने की राशि भी जो कुछ राज्यों में पहले पाँच हजार थी उसे भी अलग-अलग राज्यों ने थोड़ी बहुत वृद्धि करके खानापूर्ति कर दी है। एक अनुमान के अनुसार धर्मान्तरण कराने वाले गिरोहों को इस कार्य के लिए हवाला आदि माध्यमों से जो फंड मिलता है. वह करोड़ों में होता है। यह पैसा अरब देशों तक से यहाँ पहुँचाया जाता है। प्रश्न यह है कि जिस कार्य को करने के लिए करोड़ों रुपये मिलते हों और पकड़े जाने पर जुर्माना मात्र कुछ हजार रुपये हो तो भला ऐसा कानून इस कुकृत्य को कैसे रोक पाएगा ?

भारत जिसे हिन्दू बहुसंख्यक देश कहा जाता है वहाँ कश्मीर, लद्दाख, मिजोरम, नागालैंड, लक्ष्यद्वीप, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय आदि कई राज्यों में हिन्दू जनसंख्या घटते-घटते अल्प संख्यक हो गई है। देश के नौ राज्यों में हिन्दुओं का अल्पसंख्यक हो जाना निस्संदेह चिन्ता का विषय है। इस बात में कोई सन्देह नहीं कि हिन्दू आवादी घटने का सबसे बड़ा कारण धर्मान्तरण ही है। आश्चर्य की बात यह है कि इतनी बड़ी संख्या में धर्मान्तरण के पश्चात् भी देश में इसे रोकने के लिए प्रभावी कानून नहीं बन सका है।

भारत में धर्मान्तरण की विवशता और छल का इतिहास बहुत पुराना है। ब्रिटिश काल में इसाई मिशनरियों ने सहानुभूति और सेवा की आड़ में धर्मान्तरण का जो घिनौना खेल आरंभ किया था वह आज तक अनवरत चल रहा है। मिशनरियाँ सुदूर वनों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति के लोगों को अभी भी बहला फुसलाकर ईसाई बना देती हैं। मध्यकाल में इस्लामिक आक्रान्ता गर्दन पर तलवार रखकर या जज़िया कर लगाकर धर्मान्तरण कराते रहे। किन्तु उत्तर प्रदेश में मुफ्ती काजी जहांगीर आलम और मुहम्मद उमर के धर्मान्तरण गैंग ने इन सबसे हटकर जिस क्रूरता और निर्लज्जता से धर्मान्तरण कराने का कुकृत्य किया है वैसे उदहारण कम ही देखने को मिलते हैं। दिव्यांग बच्चों को देख सज्जन नागरिकों के मन में स्वाभाविक रूप से सहानुभूति उमड़ती है। वे बिना किसी भेदभाव के इनकी सेवा और सहयोग करने लगते हैं। किन्तु यह एक ऐसा गिरोह बताया जा रहा है जो उन मासूम हिन्दू बच्चों के खतने कर उन्हें मुसलमान बना देता है जो न बोल सकते हैं न सुन सकते हैं, जिन्हें समाज से अतिरक्त सहानुभूति की आवश्यकता थी। यदि डेफ सोसायटी इन मूक-बधिरों को बिना धर्मान्तरण के ही उनका जीवन सँवार देती तो संभव था कि पूरी दुनिया उनके कार्यों की सराहना करती।

भारत के प्रबुद्ध नागरिकों और मानवता वादियों को आशा थी कि लगभग एक हजार हिन्दुओं (जिनमें मूक-बधिर बच्चे और लड़कियाँ भी शामिल हैं) को लोभ-लालच देकर, गुमराह करके जबरन मुसलमान बनाए जाने की इस क्रूर और घृणित घटना का देश के सभी इस्लामिक इदारे/धार्मिक संस्थाएँ एक सुर में निंदा करेंगीं किन्तु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ 7 कुछ लोग बड़ी चतुराई के साथ धार्मिक स्वतंत्रता की दुहाई देने में जुट गए हैं। मैं पूछता हूँ कि यदि यही काम किसी हिन्दू संगठन ने मुसलमान बच्चों के साथ कर दिया होता तो क्या तब भी देश में ऐसी ही शांति और भाईचारा बना रहता ?

एक मुसलमान युवक की लड़ाई-झगड़े में हत्या हो जाने पर पूरा देश असहिष्णु हो गया था, यूपी से मुंबई तक तथाकथित प्रगतिशील लोग (इस्लामिस्ट और कम्युनिस्ट लॉबी) सड़कों पर उतर आई थी। पुरस्कार वापस किये जाने लगे थे और बड़े-बड़े कलाकारों का मन देश छोड़ देने का हो रहा था। किन्तु अब जबकि एक हजार लाचार बच्चों के धर्मान्तरण की घटना सामने आ रही है तब तथाकथित बुद्धिजीवी समूह लीपापोती कर रहा है क्यों ? संसार के सभी देशों में अल्पसंख्यक समूह सरकारों से निवेदन करते हैं कि धर्मान्तरण रोकिए और धर्मान्तरण कराने वालों को कठोर दंड दीजिए किन्तु भारत में उल्टी गंगा बह रही है यहाँ अल्पसंख्यक कह रहे हैं कि धर्मान्तरण पर आँखें मूँद लो और बहुसंख्यक हिन्दू कह रहे हैं कि धर्मातरण को रोकने के लिए कठोर कानून बनाइये। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहाँ तथाकथित अल्पसंख्यक मुसलमान और ईसाई, बहुसंख्यक हिन्दुओं का जबरन धर्मान्तरण करा देते हैं और उन्हें इस काम के लिए सजा के स्थान पर देश विदेश से अपार धन मिलता है।

आईटीयू के वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक में भारत शीर्ष 10 में शामिल

बिजनेस डेस्क: आईटीयू के वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2020 में भारत ने 37 स्थानों की बढ़त के साथ शीर्ष 10 में जगह हासिल की है। प्रमुख साइबर सुरक्षा मानकों पर भारत को दुनिया में 10वां स्थान मिला है। संयुक्त राष्ट्र के निकाय द्वारा साइबर सुरक्षा पर भारत के प्रयासों के पुष्टि एक जुलाई को डिजिटल इंडिया की छठी वर्षगांठ से ठीक की गई। भारत एक वैश्विक आईटी महाशक्ति के रूप में उभर रहा है और डेटा गोपनीयता तथा नागरिक के ऑनलाइन अधिकारों की सुरक्षा के लिए दृढ़ उपायों के साथ अपनी डिजिटल संप्रभुता का दावा करता है। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) द्वारा 29 जून 2021 को शुरू किए गए वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2020 में भारत का 10वां स्थान रहा और उसके दर्जे में 37 स्थानों का सुधार हुआ। साइबर सुरक्षा के लिहाज से सूची में सबसे ऊपर अमेरिका है और उसके बाद ब्रिटेन तथा सऊदी अरब एक साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि सूचकांक में तीसरे स्थान पर एस्टोनिया है।

डॉलर के मजबूत होने और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच और कमजोर हुआ रुपया

मुंबई। वैश्विक स्तर पर मुद्राओं में डॉलर की मजबूती के बीच बुधवार को भारतीय रुपये में गिरावट जारी रही। रुपया बुधवार को अपने पिछले बंद से 9 पैसे कमजोर होकर 74.32 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज के अनुसंधान प्रमुख (मुद्रा) राहुल गुप्ता ने कहा, रुपया बढ़त पर है, जिसके लिए अधिक संवेदनशीलता शायद मजबूत अमेरिकी डेटा और मजबूत डॉलर की ओर है। गुप्ता ने कहा, जब तक यूएसडी (अमेरिकी डॉलर)-आईएनआर (भारतीय रुपया) स्पॉट 73.75-73.80 से ऊपर ट्रेड करता है, तब तक यह 74.50 के आसपास और फिर 74.75 जोन में तत्काल प्रतिरोध के साथ बना रहेगा। प्रमुख समर्थन 73.75-73.50-73.45 के आसपास है। डॉलर में मजबूती के साथ-साथ कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर भारतीय मुद्रा पर भी पड़ा है। अंतरमहाद्वीपीय विनिमय में ब्रेंट कच्चे तेल का अगस्त अनुबंध वर्तमान में 75.19 डॉलर पर है, जो इसके पिछले बंद भाव से 0.58 प्रतिशत अधिक है। इस बीच, भारतीय इक्विटी बाजार सकारात्मक शुरूआत के बाद एक कमजोर नोट पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद से 66.95 अंक या 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,482.71 पर बंद हुआ।

यूनाइटेड एयरलाइंस ने 200 बोइंग 737 मैक्स जेट का और ऑर्डर दिया

वॉशिंगटन। अमेरिकी एयरोस्पेस दिग्गज बोइंग और यूनाइटेड एयरलाइंस ने घोषणा की है कि दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा वाहक, अतिरिक्त 200 जेट खरीदकर अपने 737 बेड़े का विस्तार करेगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को संयुक्त घोषणा में कहा गया कि नई खरीद, जिसमें 150 737-10 और 50 737-8 शामिल हैं, यूनाइटेड के बेड़े को विकास और हवाई यात्रा की मांग में तेजी लाने के लिए जगह दे रही हैं। समझौते में पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए बोइंग 737 मैक्स प्रशिक्षण सिम्युलेटर डेटा पैकेज की खरीद भी शामिल है। यूनाइटेड एयरलाइंस के सीईओ स्कॉट किर्बी ने कहा, जैसा कि हम हवाई यात्रा में पुनरुत्थान को पूरा करने के लिए अपने व्यवसाय में तेजी लाते हैं, हम उम्मीद करते हैं कि इन नए विमानों के जुड़ने से उन समुदायों पर महत्वपूर्ण आर्थिक प्रभाव पड़ेगा जिसकी हम रोजगार सृजन, यात्री खर्च और माल और सेवाओं की शिपिंग के मामले में सेवा करते हैं। बोइंग कमर्शियल एयरप्लेन के अध्यक्ष और सीईओ स्टैन डील ने कहा, बोइंग के लोगों और हमारे द्वारा हर दिन डिजाइन और निर्माण किए जाने वाले हवाई जहाजों पर यूनाइटेड एयरलाइंस के विश्वास से हम वास्तव में विनम्र हैं। हमारी मजबूत साझेदारी, यूनाइटेड की स्थापना से जुड़ी है, जिसने हमें दशकों से बढ़ने और चुनौतियों का सामना करने में मदद की है।

वित्त मंत्री के 6.29 लाख करोड़ रुपये के कोविड राहत पैकेज पर मंत्रिमंडल की मुहर

नयी दिल्ली,

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा कोविड महामारी से अर्थव्यवस्था को राहत पहुंचाने के लिये घोषित किये गये 6.29 लाख करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने यह जानकारी दी। सीतारमण ने सोमवार को इस पैकेज की घोषणा करते हुये सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिये 1.5 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त रिण गारंटी सुविधा की घोषणा की। स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये अतिरिक्त बजट समर्थन देने और पर्यटन क्षेत्र में टूर आपरेटरों और पर्यटक गाइडों के लिये सस्ती रिण सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की। इसके अलावा पांच लाख विदेशी पर्यटकों को शुल्क मुक्त वीजा देने की घोषणा भी की गई। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत गरीब और वंचित तबके को नवंबर तक प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज प्रतिमाह उपलब्ध कराने के लिये 93,869 करोड़ रुपये के खर्च की घोषणा के साथ साथ उर्वरक सब्सिडी की मद में 14,775 करोड़ रुपये अतिरिक्त उपलब्ध कराने की जानकारी दी।

वित्त मंत्री द्वारा घोषित इस राहत पैकेज में ज्यादातर सस्ती ब्याज दरों में कर्ज उपलब्ध कराने के लिये सरकारी गारंटी की पेशकश की गई है। इसमें 25 लाख छोटे कर्ज लेनदारों को सवा लाख रुपये तक का कर्ज उपलब्ध कराने के लिये सूक्ष्म वित्त संस्थानों को भी बैंकों से सरकारी गारंटी पर कर्ज उपलब्ध कराया जायेगा। यह समूचा पैकेज 6.29 लाख करोड़ रुपये का रहा। पैकेज में कोरोना वायरस महामारी से बच्चों के प्रभावित होने की आशंका के मद्देनजर राज्यों के प्रमुख अस्पतालों और जिला अस्पतालों में बच्चों के इलाज के लिये सुविधायें स्थापित करने और जरूरी स्वास्थ्य ढांचा खड़ा करने के लिये 23,220 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कोष उपलब्ध कराया जायेगा। इसमें केन्द्र सरकार का हिस्सा 15,000 करोड़ रुपये होगा।

उच्च न्यायालय ने DHFL मामले में सेबी को नोटिस जारी करने का आदेश दिया

चेन्नई:

मद्रास उच्च न्यायालय ने दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) की कथित धोखाधड़ी गतिविधियों की जांच की मांग वाली एक जनहित याचिका पर मंगलवार को सेबी को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश संजीव बनर्जी और न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति की पीठ ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को नोटिस का 13 जुलाई तक जवाब देने को कहा है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने इस मामले को 'देश में पूंजी बाजार में सबसे बड़ा घोटाला बताया है। अदालत ने कहा, ''याचिकाकर्ता के अनुसार, नियामक, क्रेडिट-रेटिंग एजेंसियों, लेखा परीक्षकों के साथ निवेशकों को 40,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो सकता है। डीएचएफएल के कामकाज को देखने, इसकी गतिविधियों और जमाकर्ताओं से प्राप्त धन के आवगमन की देख रेख करने वालों ने अपना काम सही से नहीं किया। इस मामले में मायलापुर के रंगनाथन ने अपनी जनहित याचिका में सेबी को विभिन्न प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

कैबिनेट ने 16 राज्यों में भारतनेट कार्यान्वयन के पीपीपी मोड को मंजूरी दी

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 16 राज्यों में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड के जरिए भारतनेट की संशोधित कार्यान्वयन रणनीति को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में देश के 16 राज्यों के सभी आबादी वाले गांवों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) व्यवस्था के तहत भारत-नेट क्रियान्वयन रणनीति को मंजूरी दी गई। इस परियोजना के तहत केरल, कर्नाटक, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों के लगभग 3.61 लाख गांवों/ग्राम सभाओं में पीपीपी व्यवस्था के जरिये भारत-नेट के निर्माण, उन्नयन, संचालन, रख-रखाव और इस्तेमाल को अमल में लाया जायेगा। इस परियोजना को नौ पैकेजों में शामिल किया गया है, जिसकी अनुमानित लागत 19,041 करोड़ रुपये तय की गई है। केंद्र सरकार सार्वभौमिक सेवा दाय् निधि (यूएसओएफ) के माध्यम से एक-मुश्त अनुदान के आधार पर सहयोग करेगी, यानी परियोजना पूरी करने में जो खर्च बढ़ जायेगा, उसके अंतर को केंद्र सरकार पूरा करेगी। पीपीपी व्यवस्था के लिये यूएसओएफ को मद्देनजर रखते हुए निजी क्षेत्र के साझीदारों का चयन एक खुली, वैश्विक और प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के जरिये किया जायेगा। भारत-नेट के सम्बंध में पीपीपी व्यवस्था के जरिये डिजिटल अवसंरचना और सेवाओं का प्रावधान करने को मंजूरी दी गई है, जिसमें निजी सेवा प्रदाता भारत-नेट की क्षमता को बढ़ायेंगे, ताकि सेवा-स्तर को कायम रखा जा सके। इसके आधार पर भारत-नेट की संपर्कता और इस्तेमाल में इजाफा होगा। इसके साथ ही संचालन, रख-रखाव, उपयोग, आय और नेटवर्क को जल्द से जल्द शुरू करने में निजी क्षेत्र की कुशलता भी बढ़ेगी।

बैंक, वित्तीय कंपनियों के शेयरों में गिरावट से शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन गिरावट

मुंबई:

वैश्विक बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच घरेलू बाजारों में भी बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख रहा। निवेशकों की उच्चस्तर पर बिकवाली से बंबई शेयर बाजार (बीएसई) में शुरुआती तेजी बरकरार नहीं रख सकी और अंत में बीएसई सेंसेक्स 67 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार सूत्रों के मुताबिक डॉलर के मुकाबले कमजोर पड़ते रुपए और ताजा लिवाली के अभाव में कारोबारी धारणा कमजोर रही। यही वजह है कि एक समय करीब 400 अंक ऊपर जाने के बाद 30-कंपनी शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स बिकवाली दबाव में आ गया और अंत में 66.95 अंक यानी 0.13 प्रतिशत गिरकर 52,482.71 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 26.95 अंक यानी 0.17 प्रतिशत गिरकर 15,721.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में 1.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ पावर ग्रिड में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इसके साथ ही बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, एनटीपीसी, एचयूएल, बजाज फाइनेंस और लार्सन एण्ड टुब्रो में भी गिरावट रही। इसके विपरीत इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, नेस्ले इंडिया और मारुति सुजूकी, टेक महिन्द्रा और अल्ट्रा टेक सीमेंट के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। बाजार की अंतरधारणा नकारात्मक रही। सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 गिरावट में रहे जबकि 12 बढ़त रखने में कामयाब रहे। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसिज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कोरोना वायरस का डेल्टा स्वरूप एशियाई बाजारों में चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं वैश्विक बाजारों में अमेरिका के रोजगार के आंकड़ों पर नजर है। अमेरिका में जून के रोजगार आंकड़े इसी सप्ताह जारी होने हैं। ये आंकड़े अमेरिका के फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति में अहम भूमिका निभाते हैं। रिलायंस सिक्युरिटीज में रणनीति प्रमुख बिनोद मोदी ने कहा, ''घरेलू शेयर बाजारों में कारोबार की समाप्ति के अंतिम सत्र में मुनाफा वसूली के बिकवाली दबाव शुरुआती बढ़त जाती रही। वित्तीय शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आ गया। कारोबार के दौरान बाजार में काफी उठापटक रही। शुरुआत मजबूती के साथ हुई लेकिन दोपहर के सत्र में

मुनाफा वसूली चलने से शुरुआती बढ़त जाती रही। हालांकि, इस दौरान सूचना प्रौद्योगिकी, धातु और वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीदारी देखी गई। औषधि क्षेत्र की कंपनियां मजबूती में रही जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी बाजार को ज्यादा गिरने से बचाया। एशिया के अन्य बाजारों में हांग कांग और टोक्यो नुकसान में रहे जबकि शंघाई और सोल के बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मध्याह्न तक नुकसान की स्थिति थी। उधर, अंतराष्ट्रीय कच्चे तेल के बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का भाव 0.79 प्रतिशत बढ़कर 74.87 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे और गिरकर 74.32 रुपए प्रति डॉलर पर आ गया। कच्चे तेल के बढ़ते दाम से निवेशक धारणा प्रभावित हुई है।

क्रिप्टोकरंसी में बढ़ा सोने के दीवाने भारतीयों का रुझान, कारोबार 40 बिलियन डॉलर पहुंचा

बिजनेस डेस्क:

सोने के प्रति दीवानगी रखने वाले भारत में भी अब सोने की बजाय क्रिप्टोकरंसी कारोबार में तेजी रही है। भारतीयों के पास करीब 25 हजार टन सोने का भंडार है लेकिन वह अब धीरे धीरे निवेश का यह पारंपरिक जरिया छोड़ कर क्रिप्टोकरंसी में निवेश बढ़ा रहे हैं। पिछले एक साल में देश में क्रिप्टोकरंसी का कारोबार 200 मिलियन डॉलर से बढ़ कर 40 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है और देश के 18 से लेकर 35 साल तक के युवा इसमें हाथ आजमा रहे हैं। कोइन गीको के आंकड़ों के मुताबिक एक साल पहले देश में रोजाना 10.6 मिलियन डॉलर का कारोबार हो रहा था जो अब करीब 10 गुना बढ़कर 102 मिलियन डॉलर हो चुका है। चीन में भारत के मुकाबले चार गुना कारोबार होता है और चीन का क्रिप्टोकरंसी कारोबार 161 बिलियन डॉलर का है। 32 साल की महिला उद्यमी रिची सूद ने पिछले साल दिसंबर में बिटकॉइन, डोजी क्रॉइन और ईथरियम में 10 लाख रुपए का निवेश किया था और बिटकॉइन के 50 हजार के स्तर पर पहुंचते ही रिची ने अपने पास मौजूद क्रिप्टोकरंसी बेच दी और इससे हुए मुनाफे को अपने एजुकेशन स्टार्टअप स्टडी मेट इंडिया में निवेश कर दिया। रिची सूद खुशकिस्मत रहीं कि जब उन्होंने अपनी क्रिप्टोकरंसी बेची तो उसके बाद इसमें भरी गिरावट आ गई है और उन्होंने एक बार फिर निचले दाम पर इसमें खरीद कर ली। रिची की तरह जोखिम उठा सकने वाले लाखों भारतीय निवेशक इसमें निवेश कर रहे हैं। क्रिप्टोकरंसी में निवेश करना जोखिम भरा इसलिए है क्योंकि भारत में सरकार इस मामले में उदार नहीं रही है और किसी भी समय सरकार इस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला ले सकती है। ऐसी स्थिति में निवेशकों के पैसे फंस सकते हैं।

युवाओं ने सोने से मुंह मोड़ा

भारत में करीब डेढ़ करोड़ निवेशक क्रिप्टो करंसी में निवेश करते हैं जबकि अमरीका में इन निवेशकों की संख्या 2 करोड़ तीस लाख और यू.के. में यह संख्या करीब 23 लाख है। भारत में 18 से लेकर 35 साल तक के युवा इसमें निवेश कर रहे हैं और वर्ल्ड गोल्ड काउन्सिल की ताजा रिपोर्ट में भी यह बात सामने आई है कि इस आयु वर्ग के निवेशक सोने में काम रुझान दिखा रहे हैं। युवाओं के क्रिप्टोकरंसी में बढ़ रहे रुझान का सबसे बड़ा कारण इसमें ट्रेडिंग की आसान प्रक्रिया है। युवा ऑनलाइन जाकर साधारण तरीके से रजिस्ट्रेशन कर के इसमें निवेश कर सकते हैं जबकि सोने की खरीद में आपको पहले अपनी पहचान जाहिर करनी पड़ती है। लिहाजा इसमें युवाओं का रुझान लगातार बढ़ रहा है। -संदीप गोयनका, सह

संस्थापक जेब पे मैं सोना-चांदी खरीदने की बजाय अपना पैसा क्रिप्टोकरंसी में निवेश करने को प्राथमिकता दूंगी क्योंकि इसमें पारदर्शिता अधिक है और सोने और प्रॉपर्टी के मुकाबले इसमें तेजी के साथ और ज्यादा रिटर्न मिलते हैं। हालांकि इसमें निवेश करना जोखिम भरा भी है लेकिन मुझ में जोखिम सहने की क्षमता है लिहाजा मैं इसमें निवेश जारी रखूंगी। -रिची सूद, क्रिप्टोकरंसी निवेशक

वित्तवर्ष 2021 में व्यक्तिगत ऋण उठाव और औद्योगिक ऋण अनुबंध बढ़े

नई दिल्ली।

देश में बैंक ऋण परिदृश्य में वित्तवर्ष 2021 में व्यक्तिगत ऋणों में 13.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के साथ क्षेत्रीय ऋण उतार-चढ़ाव के मामले में तेज विपरीतता देखी गई, जबकि पिछले वित्तवर्ष में औद्योगिक ऋण वृद्धि नकारात्मक रही। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से यह भी पता चला है कि घरेलू क्षेत्र में ऋण सालाना आधार पर 10.9 प्रतिशत बढ़ा है। कुल ऋण में घरेलू क्षेत्र को ऋण की हिस्सेदारी मार्च 2021 में बढ़कर 52.6 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 49.8 प्रतिशत थी। यह त्रैमासिक बीएसआर-1 : मार्च 2021 के लिए अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का बकाया ऋण दर्शाती है। इसमें कहा गया है, निजी कॉरपोरेट क्षेत्र में ऋण वृद्धि में लगातार छठी तिमाही में गिरावट आई और कुल ऋण में इसकी हिस्सेदारी 28.3 फीसदी रही। नकद ऋण, ओवरड्राफ्ट और मांग ऋण के रूप में कार्यशील पूंजी ऋण, जो कुल ऋण का एक तिहाई था, 2020-21 के दौरान अनुबंधित किया गया। निजी क्षेत्र के बैंकों ने अन्य बैंक समूहों की तुलना में उच्च ऋण वृद्धि दर्ज की, कुल ऋण में उनकी हिस्सेदारी मार्च 2021 में बढ़कर 36.5 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 35.4 प्रतिशत और पांच साल पहले 24.8 प्रतिशत थी। बकाया ऋण पर भारित औसत उधार दर 2020-21 के दौरान 91 आधार अंकों की कमी आई है, जिसमें 2020-21 की चौथी तिमाही के दौरान 21 आधार अंकों की गिरावट शामिल है। इसके अलावा, आंकड़ों से यह भी पता चला है कि शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक शाखाओं ने मार्च 2021 में दोहरे अंकों की ऋण वृद्धि दर्ज की, जबकि महानगरीय शाखाओं, जो कि बैंक ऋण का 63 प्रतिशत है, में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

सैंट्रो से अल्काजरः हुंडई मोटर इंडिया ने उतारी एक करोड़ कारें

चेन्नई।

भारत की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने बुधवार को यहां अपने संयंत्र में एक करोड़ कारों का उत्पादन किया। जबकि छोटी कार सैंट्रो पहला मॉडल था जिसे लगभग 25 साल पहले संयंत्र से बाहर किया गया था। यह कंपनी का नवीनतम मॉडल अल्काजर था जो जादुई 10 मिलियन कार के रूप में असेंबली लाइन से बाहर आया।संयंत्र में मौजूद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने इस महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करने के लिए कार के बोनट पर हस्ताक्षर किए।ऑटोमोबाइल के देश के सबसे बड़े निर्यातक के रूप में, हुंडई मोटर ने 2020 की शुरूआत में 30 लाख वाहन निर्यात मील का पत्थर पार किया, 88 देशों को निर्यात किया और वर्षों में कई निर्यात मील के पत्थर दर्ज किए। मार्च 2008 में 5 लाख निर्यात, फरवरी 2010 में 10 लाख निर्यात, 20 लाख मार्च 2014 में निर्यात किए हैं।पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 1,04,342 यूनिट्स की शिप की थी।दो साल से ज्यादा समय लेने वाली पहली दो मिलियन कारों को छोड़कर, हुंडई मोटर ने दो साल से भी कम समय में लगातार मिलियन कारों को रोल आउट किया। हुंडई मोटर ने बुधवार को सामुदायिक विकास कार्यक्रमों की भी घोषणा की जैसे; ड्रीम विलेज प्रोजेक्ट 2.0 का उद्घाटन - श्रीपेरंबदूर के कटरामबक्कम गांव में सालाना 500 लोगों को लाभान्वित करने वाले चाइल्ड केयर सेंटर और 1,500 लोगों को समायोजित करने की क्षमता वाले सामुदायिक हॉल का निर्माण; कांचीपुरम जिले में 200 परिवारों को लाभान्वित करने वाली ग्रामीण महिलाओं के लिए आय-उत्पादन कार्यक्रम (डेयरी खेती) का शुभारंभ और श्रीपेरंबुदूर के पास वल्लाकोट्टई गांव में एक मोबाइल खानपान सेवा स्थापित करने के लिए एक स्वयं सहायता समूह बनाया है।

भारत में अप्रैल में 27,700 शिकायतें मिलीं, 59 हजार से अधिक सामग्री हटाई गईं : गूगल

बिजनेस डेस्क:

गूगल ने अपनी पहली मासिक पारदर्शिता रिपोर्ट में कहा कि उसे भारत में इस साल अप्रैल में व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं से स्थानीय कानूनों या व्यक्तिगत अधिकारों के कथित उल्लंघन से संबंधित 27,700 से अधिक शिकायतें मिलीं, जिसके चलते 59,350 सामग्रियों को हटाया गया। गूगल ने 26 मई से लागू हुए आईटी नियमों के तहत अपनी मासिक अनुपालन रिपोर्ट जारी की। नए आईटी नियमों के तहत 50 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं वाले बड़े डिजिटल मंचों को हर महीने अपनी अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करनी होगी, जिसमें प्राप्त शिकायतों और उन पर की गई कार्रवाई का विवरण होगा। रिपोर्ट में कई ऐसे संचार लिंक या जानकारी का ब्यौरा भी दिया गया है, जिन्हें गूगल ने स्वचालित उपकरणों की मदद से हटा दिया है या पहुंच को अक्षम कर दिया। गूगल के एक प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी का दुनिया भर से मिलने वाले विभिन्न अनुरोधों के संबंध में पारदर्शिता का एक लंबा इतिहास रहा है। प्रवक्ता ने बुधवार को कहा, ''इन सभी अनुरोधों का निरीक्षण किया गया और 2010 से हमारी मौजूदा पारदर्शिता रिपोर्ट में इन्हें शामिल किया गया है। यह पहली बार है जब हम (भारत के) नए आईटी नियमों के अनुसार मासिक पारदर्शिता रिपोर्ट प्रकाशित करेंगे और अधिक विवरण प्रकाशित करना जारी रखेंगे क्योंकि हम भारत के लिए अपनी रिपोर्टिंग प्रक्रिया को बेहतर बना रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि डेटा संस्करण और सत्यापन के लिए लगने वाले समय को देखते हुए आंकड़े दो महीने बाद आएंगे।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र का उत्पादन मई में 16.8 प्रतिशत बढ़ा

बिजनेस डेस्क:

बुनियादी क्षेत्र के आठ उद्योगों का उत्पादन मई माह के दौरान एक साल पहले के मुकाबले 16.8 प्रतिशत बढ़ा। यह वृद्धि पिछले साल का निम्न तुलनात्मक आधार होने और प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन में तेजी आने से हासिल हुई। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। पिछले साल मई में कोविड-19 संक्रमण प्रसार पर नियंत्रण के लिए लागू देशव्यापी लॉकडाउन के कारण इन आठ बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में 21.4 प्रतिशत की बडी गिरावट दर्ज की गई थी। इस साल मार्च में इन उद्योगों में 11.4 प्रतिशत और अप्रैल महीने में 60.9 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की गई। अप्रैल 2021 में हासिल ऊंची वृद्धि की भी प्रमुख वजह एक साल पहले का तुलनात्मक आधार काफी नीचे रहना है। अप्रैल 2020 में भी देशव्यापी लॉकडाउन के कारण कारोबारी गतिविधियां पूरी तरह से बंद रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक मई21 में बुनियादी क्षेत्र के उद्योगों में प्राकृतिक गैस का उत्पादन 20.1 प्रतिशत, रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन 15.3 प्रतिशत, इस्पात उत्पादन एक साल पहले मई के मुकाबले इस साल मई में 59.3 प्रतिशत, सीमेंट का 7.9 प्रतिशत, बिजली उत्पादन 7.3 प्रतिशत बढ़ा है। वही पिछले साल इन क्षेत्रों में मई महीने में उत्पादन क्रमशः 16.8 प्रतिशत, 21.3 प्रतिशत, 40.4 प्रतिशत, 21.4 प्रतिशत और 14.8 प्रतिशत घटा था। यही वजह है कि पिछले साल की बड़ी गिरावट के ऊपर इस साल उत्पादन में अच्छी वृद्धि दिख रही है। कोयला उत्पादन में भी मई 2021 में 6.9 प्रतिशत वृद्धि रही जबकि पिछले साल इसमें 14 प्रतिशत गिरावट रही थी। दूसरी तरफ उर्वरक और कच्चे तेल में मई में गिरावट दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती दो माह अप्रैल और मई में आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 35.8 प्रतिशत रही जबकि पिछले साल इन दोनों महीनों में उत्पादन 29.4 प्रतिशत घटा था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विंबलडन के दूसरे दौर में पहुंचे फेडरर, वीनस

विम्बलडन । स्विटजरलैंड के अनुभवी टेनिस स्टार रोजर फेडरर और महिला टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस के अगले दौर में पहुंच गये हैं। फेडरर ने मन्नारिनो को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया हालांकि उनकी यह जीत अच्छी नहीं कही जा सकती। मैच के दौरान फेडरर दो सेट से एक से नीचे 6-4, 6-7 (3), 3-6, 6-2 के स्तर पर से वापस आ गए थे की अचानक ही मन्नारिनो चोटिल हो गए। इससे फेडरर बच गये और उन्हें वॉक ओवर मिल गया। फेडरर ने पहले सेट में 26 सर्विस अंक में से 22 जीता लेकिन मन्नारिनो ने फेडरर को लय नहीं हासिल करने दी। फेडरर चौथे सेट में 4-2 की बढ़त के साथ सर्विस कर रहे थे, जब 41वीं रैंकिंग के मन्नारिनो वापसी का प्रयास करते हुए फिसल गए और उन्हे सेंटर कोर्ट पर ही उपचार दिया गया। जिसके बाद उन्होंने पहले सेट को किसी प्रकार पूरा किया पर इसके बाद दर्द बढ़ने के कारण वह मैच से हट गये जिससे फेडरर को जीत मिल गयी। फेडरर इस साल के ग्रासकोर्ट ग्रैंड स्लैम में ड्रॉ में सबसे अधिक 39 साल के खिलाड़ी हैं। अब दूसरे दौर में उनका मुकाबा फ्रांस के रिचर्ड गास्केट या जापान के युइची सुगिता से हो सकता है। वहीं महिला वर्ग में अमरिक की अनुभवी खिलाड़ी वीनस विलियम्स भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। वीनस ने रोमानिया की मिहाएला बुजार्नेस्कू को 7-5, 4-6, 6-3 से हराया।

न्यूजीलैंड के चैंपियन बनाने वाले विलियम्सन टॉप पर पहुंचे, ऋषभ पंत को नुकसान; कोहली-रोहित टॉप-10 में बरकरार

(एजेंसी)।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने बुधवार को लेटेस्ट टेस्ट रैंकिंग जारी की। इसमें न्यूजीलैंड को टेस्ट चैंपियन बनाने वाले कप्तान केन विलियम्सन को एक पायदान का फायदा मिला और वे फिर से टॉप पर काबिज हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर स्टीव स्मिथ नंबर-2 पर फिसल गए। वहीं, भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को एक पायदान का नुकसान झेलना पड़ा है। पंत 7वें नंबर पर आ गए हैं। इनके अलावा टॉप-10 में विराट कोहली और रोहित शर्मा अपने-अपने पायदान पर बरकरार हैं। कोहली चौथे और रोहित छठे नंबर पर हैं। रहाणे को तीन पायदान का फायदा, पुजारा को नुकसान टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 49 और 15 रन बनाने वाले टीम इंडिया के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे को 3 पायदान का फायदा मिला है। वे 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, WTC फाइनल की दोनों पारियों में फ्लॉप रहने वाले चेतेश्वर पुजारा को 3 पायदान का नुकसान झेलना पड़ा है। वे 16वें नंबर पर पहुंच गए। पुजारा ने फाइनल की पहली पारी में 8 और दूसरी पारी में 15 रन बनाए थे। विलियम्सन और स्मिथ के बीच 10 पॉइंट का अंतर 30 साल के विलियम्सन ने 18 जून से साउथैम्पटन में खेले गए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 101 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी। उन्होंने पहली पारी में 49 और दूसरी पारी में नाबाद 52 रन बनाते हुए मैच जिताया था। वे अब 201 पॉइंट के साथ नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उनके और स्टीव स्मिथ के बीच 10 पॉइंट का बड़ा अंतर है। विलियम्सन सबसे पहले नवंबर 2015 में टॉप पर पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। दो हफ्ते पहले भी वे टॉप पर थे। तब स्मिथ ने उन्हें हटा दिया था। हालांकि, अब विलियम्सन फिर नंबर-1 बन गए हैं। ऑलराउंडर्स में जडेजा को भी नुकसान ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भारतीय स्पिनर रविंद्र जडेजा को भी नुकसान झेलना पड़ा है। वे दूसरे नंबर से तीसरे पर फिसल गए हैं। उन्हें इंग्लैंड के बेन स्टोक्स ने पीछे किया है। WTC फाइनल में जडेजा कुछ खास नहीं कर सके थे। उन्होंने सिर्फ एक विकेट लिया था। बल्लेबाजी में भी वे 15 और 16 रन ही बना सके थे।

अंकुर मित्तल और अंजुम को मिल सकता है खेल रत्न

एनआरएआई ने अर्जुन पुरस्कार के लिए इलावेनिल और अभिषेक के नाम भेजे

नई दिल्ली।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के लिये डबल ट्रैप विश्व निशानेबाजी चैम्पियन अंकुर मित्तल और अंजुम मोदगिल के नाम भेजे हैं। मित्तल ने 2018 में डबल ट्रैप विश्व खिताब जीता था और इसी वर्ष उन्हें अर्जुन पुरस्कार भी मिला था। वहीं अंजुम ने साल 2018 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता है। उन्हें 2019 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। एनआरएआई ने बयान में कहा, ''पिछले साल भी दोनों के नाम की सिफारिश इसी वर्ग में की गयी थी।'' वहीं अर्जुन पुरस्कार के लिये एनआरएआई ने ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने वाले दो निशानेबाजों इलावेनिल वलारिवान और अभिषेक वर्मा को नामांकित किया है। इलावेनिल महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में दुनिया की नंबर एक निशानेबाज हैं और अभिषेक पुरूषों की 10 मीटर एयर पिस्टल रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। इसके अलावा 50 मीटर पिस्टल विश्व चैम्पियन ओम प्रकाश मिठरवाल भी दौड़ में हैं।

हिमा को टोक्यो ओलंपिक से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारने को कहा: कीरेन रीजीजू

(एजेंसी)।

खेल मंत्री कीरेन रीजीजू ने फर्राटा धाविका हिमा दास को ढाढ़स बंधाया जिनका चोटिल होने के कारण टोक्यो ओलंपिक से बाहर होना तय है। 21 वर्षीय हिमा पटियाला में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान शनिवार को चोटिल हो गयी थी। वह चोट के कारण 100 मीटर और 4×100 मीटर रिले फाइनल से बाहर हो गयी थी। पूरी तरह से फिट नहीं होने के बावजूद मंगलवार को उन्होंने 200 मीटर फाइनल में भाग लिया लेकिन पांचवें स्थान पर रही और टोक्यो ओलंपिक की दौड़ से बाहर हो गयी। रीजीजू ने ट्वीट किया, चोटें खिलाड़ी के जीवन का हिस्सा होती हैं। मैंने हिमा दास से बात की और उससे कहा कि वह टोक्यो ओलंपिक से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारे तथा एशियाई खेल 2022, राष्ट्रमंडल खेल 2022 और पेरिस ओलंपिक 2024 की तैयारी करे।

खेल रत्न के लिये छेत्री और अर्जुन पुरस्कार के लिये बाला देवी के नाम की सिफारिश

नई दिल्ली।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न के लिये करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री के नाम की सिफारिश की है। वहीं राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम की स्ट्राइकर बाला देवी का नाम अर्जुन पुरस्कार के लिये भेजा गया है जो इस समय स्कॉटिश महिला प्रीमियर लीग में रेंजर्स के लिये खेल रही हैं। एक आधिकारिक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, ''हमने खेल रत्न के लिये सुनील छेत्री और अर्जुन पुरस्कार के लिये बाला देवी के नाम की सिफारिश की है।'' सूत्र ने साथ ही कहा, ''हमने द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिये गैब्रियल जोसफ का नाम दिया है।'' छत्तीस साल के छेत्री पिछले कुछ वर्षों से देश और अपने क्लब बेंगलुरू एफसी के लिये बेहतरीन फार्म में हैं। उन्होंने 118 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिसमें 74 गोल दागे है और ये दोनों ही भारतीय रिकार्ड हैं। छेत्री ने कतर में हाल के विश्व कप क्वालीफायर में बांग्लादेश के खिलाफ दो बार गोल किये जिससे वह सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले सक्रिय फुटबॉलरों की सूची में अर्जेंटीना के स्टार लियोनल मेस्सी से आगे दूसरे स्थान पर पहुंच गये थे। वह हालांकि अभी चौथे स्थान पर खिसक गये हैं। संयुक्त अरब अमीरात के अली मबखूत (76) और मेस्सी (75) ने उनसे पहले पहुंच गये हैं। छेत्री को 2019 में पद्म श्री और 2011 में अर्जुन पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। वर्ष 2005 में पदार्पण करने के बाद छेत्री एएफसी चैलेंज कप (2008), सैफ चैम्पियनशिप (2011, 2015), नेहरू कप (2007, 2009, 2012), इंटरकान्टिनेंटल कप (2017, 2018) जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। वह 2011 और 2019 एशियाई कप में भी खेले थे। वहीं 31 वर्षीय बाला देवी पिछले साल जनवरी में रेंजर्स ऑफ ग्लास्गो से जुड़ने के बाद यूरोप में शीर्ष स्तरीय पेशेवर लीग में खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर बनीं। वह 2010 के बाद से देश के लिये 50 से ज्यादा मैच खेल चुकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

तैराक श्रीहरि नटराज ने तोक्यो ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली । भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने बुधवार को तोक्यो ओलंपिक में आधिकारिक रूप से जगह बनाई जब खेल की वैश्विक संचालन संस्था फिना ने रोम में सेटे कोली ट्रॉफी में पुरुष 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में उनके 'ए' क्वालीफिकेशन स्तर को स्वीकृति दी। भारतीय तैराकी महासंघ (एसएफआई) ने ट्वीट किया, 'श्रीहरि नटराज के सेटे कोली ट्रॉफी में टाइम ट्रायल के दौरान 53.77 सेकेंड के ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय को फिना ने स्वीकृति दे दी है। एसएफआई ने उनका प्रतिनिधित्व फिना के पास भेजा था। श्रीहरि तोक्यो में 'ए' क्वालीफिकेशन प्रवेश के रूप में भारत के साजन प्रकाश से जुड़ेंगे।' नटराज ने रविवार को राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के साथ ही तोक्यो खेलों का 'ए' क्वालीफिकेशन स्तर हासिल किया जो 53.85 सेकेंड है। टाइम ट्रायल में तैराकों को अन्य प्रतिद्वंद्वियों से प्रतिस्पर्धा का मौका नहीं मिलता लेकिन वे अपने समय में सुधार कर सकते हैं।बेंगलुरू के इस तैराक को आयोजकों ने ओलंपिक क्वालीफिकेशन के अंतिम दिन टाइम ट्रायल में हिस्सा लेने की स्वीकृति दी थी। तोक्यो ओलंपिक में पहली बार दो भारतीय तैराकों को सीधे क्वालीफिकेशन के जरिए ओलंपिक खेलों में प्रवेश मिलेगा। साजन प्रकाश इसी प्रतियोगिता की पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में ओलंपिक 'ए' स्तर हासिल करने वाले अब तक के पहले भारतीय तैराक बने थे। साजन ने 2010 एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता वीरधवल खाड़े के एक मिनट 49.86 सेकेंड के पिछले प्रदर्शन में सुधार किया था। नटराज पहली बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे जबकि साजन दूसरी बार खेलों के महाकुंभ में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। साजन रियो ओलंपिक 2016 में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

भारत ने टेस्ट में जरूरत के अनुसार संयम नहीं दिखाया : गावस्कर

मुंबई। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुनील गावस्कर का कहना है कि भारत ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले में जरूरत के अनुसार संयम नहीं दिखाया। न्यूजीलैंड ने बारिश से बाधित डब्ल्यूटीसी फाइनल मुकाबले में भारत को आठ विकेट से हराया था। गावस्कर ने कहा, मैच के अंतिम दिन वातावरण सुहाना था और सूरज भी निकला रहा था। लेकिन भारतीय जो सीमित ओवर के मैच में ढल गए, उन्होंने टेस्ट में जरूरत के अनुसार संयम नहीं दिखाया। भारत की दूसरी पारी उस मैच में 170 रन पर ढेर हो गई थी और न्यूजीलैंड को जीत के लिए 139 रनों का लक्ष्य मिला था। गावस्कर ने कहा, ऐसे वातावरण में किस तरह का संयम और शॉट चयन की जरूरत होती है वो न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन की दोनों पारियों में दिखा। उन्होंने कहा, विलियम्सन ने दिखाया कि बल्लेबाज को ऐसे वातावरण में किस तरह शॉट खेलने हैं। उन्होंने इस तरह बल्लेबाजी की जैसा उन्हें पता है कि यहां कैसे खेलना है और सभी बल्लेबाजों को ऐसे ही खेलना चाहिए।

भारत के लिए खेलने का सपना छोड़ने की कगार पर थे हॉकी खिलाड़ी हार्दिक सिंह

बेंगलुरू।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने भारत के लिए खेलने का सपना लगभग छोड़ ही दिया था और डच लीग में क्लब करियर बनाने की योजना बना रहे थे लेकिन उनके रिश्तेदार पूर्व ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह ने उन्हें प्रेरित किया। हार्दिक ने कहा कि वे ऐसे परिवार से आते हैं जिसके खून में हॉकी है लेकिन शीर्ष स्तर पर सीमित मौकों से उन्हें हताशा होने लगी थी। जुगराज अपने समय के दिग्गज ड्रैग फ्लिकर रहे हैं। पंजाब के जालंधर के समीप खुसरोपुर गांव के रहने वाले 22 साल के हार्दिक ने कहा कि उनका सफर टीम के अपने साथियों से अलग रहा है। हार्दिक ने कहा, ''मैं भाग्यशाली हूं कि ऐसे परिवार का हिस्सा था जिसके डीएनए में हॉकी है। मैं भाग्यशाली था कि इतने सारे हॉकी खिलाड़ियों के बीच था, मुझे घर के सभी लोगों से सलाह मिलती थी और मेरे परिवार का मेरे करियर पर गहरा असर रहा।'' उन्होंने कहा, ''14 साल की उम्र में मैं आगे की ट्रेनिंग के लिए मोहाली हॉकी अकादमी चला गया और वहां काफी जल्दी प्रगति की।'' हार्दिक ने कहा, ''मैंने सब जूनियर वर्ग में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया लेकिन शीर्ष स्तर पर मौके कभी नहीं मिले। 2017 में मैं भारत के लिए खेलने का अपना सपना छोड़ने के कगार पर था और क्लब हॉकी खेलने के लिए नीदरलैंड जाने का फैसला लगभग कर ही लिया था।'' उन्होंने कहा, ''जुगराज सिंह ने मुझे बैठकर अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा। जुगराज पाजी का मेरे जीवन पर गहरा प्रभाव रहा। उन्होंने मेरे जीवन के प्रत्येक हिस्से में मार्गदर्शक की भूमिका निभाई और अब भी ऐसा कर रहे हैं।'' हार्दिक ने कहा, ''उनके सुझाव के बाद मैंने और अधिक कड़ी मेहनत की और पसीना बहाया। और अंततः मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा मिला जब मुंबई में घरेलू टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद मुझे 2018 एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के कोर संभावित खिलाड़ियों में चुना गया।'' उन्होंने कहा, ''इसके बाद 2018 विश्व कप हुआ जो सोने पर सुहागा था।''

हार्दिक ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम में विभिन्न स्थानों को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है और वह आगामी तोक्यो खेलों में छाप छोड़ने को प्रतिबद्ध हैं।

सेरेना विलियम्स चोटिल विंबलडन से हुई बाहर

विम्बलडन । स्टार टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स बेलारूस की एलियाकसांद्रा सेसनोविच के खिलाफ मंगलवार को पहले दौर के मुकाबले में दायें पैर में चोट के कारण विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। अपने 23 में से सात ग्रैंडस्लैम एकल खिताब यहां जीतने वाली सेरेना उस समय मुकाबले से हट गई जब स्कोर पहले सेट में 3-3 से बराबर था। किसी भी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के दौरान यह सिर्फ दूसरा मौका है जब सेरेना को मुकाबले के बीच से हटने को बाध्य होना पड़ा।इससे पहले 1998 में भी उन्हें ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के बीच से हटना पड़ा था। सेरेना ने दुनिया की 100वें नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबले के बीच से हटने के बाद कहा कि आज मुकाबले से हटने से मेरा दिल टूट गया था। आज जब मैं कोर्ट पर उतरी और बाहर गई तो मैंने दर्शकों की शानदार गर्मजोशी और समर्थन को महसूस किया। यही मेरी दुनिया है। सेसनोविच ने कहा कि वह बेजोड़ चैंपियन है और यह दुखद कहानी है। रोजर फेडरर को जब सेरेना के हटने के बारे में बताया गया तो उन्होंने कहा कि हे भगवान। मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा। सेरेना सिर्फ दूसरी बार किसी ग्रैंडस्लैम के पहले दौर से बाहर हुई हैं। इससे पहले 2012 में उन्हें वर्जीनी रजानों के खिलाफ फ्रेंच ओपन के पहले दौर में शिकस्त झेलनी पड़ी थी। गत चैंपियन सिमोना हालेप और चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रही हैं और अब सेरेना के हटने के बाद महिला एकल खिताब तक का सफर रोमांचक होने की उम्मीद है। इससे पहले 8 बार के विंबलडन चैंपियन फेडरर ने अगले दौर में जगह बनाई जब उनके प्रतिद्वंद्वी एड्रियन मनारिनो चौथे सेट में चोटिल होने के कारण मुकाबले से हट गए। मनारिनो को भी कोर्ट पर उसी स्थान पर चोट लगी जहां सेरेना चोटिल हुई थीं। मनारिनो जब मुकाबले से हटे तब फेडरर ने शुरुआती तीन में से दो सेट गंवा दिए थे लेकिन चौथे सेट में वह 4-2 से आगे चल रहे थे। अन्य मुकाबलों में सेरेना की 41 साल की बहन वीनस, 17 साल की कोको गॉ, गत फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबरा क्रेजसिकोवा और शीर्ष वरीय ऐश बार्टी महिला एकल में जीत दर्ज करने में सफल रहे जबकि पुरुष एकल में दूसरे नंबर के दानिल मेदवेदेव, चौथे नंबर के एलेक्जेंडर ज्वेरेव और 10वें नंबर के डेनिस शापोवालोव अगले दौर में पहुंचे।

क्रिस लिन का बीबीएल टीम ब्रिस्बेन हीट की कप्तानी से इस्तीफा

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया की टी20 लीग बिग बैश लीग (बीबीएल) की ब्रिस्बेन हीट टीम के खिलाड़ी क्रिस लिन ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। आक्रामक सलामी बल्लेबाज लिन साल 2011 में लीग की शुरुआत से ही फ्रैंचाइज़ी के साथ बने हुए थे। लिन के इस फैसले से सभी को हैरानी हुई है क्योंकि पिछले सत्र में इस बल्लेबाज ने टीम की ओर से सबसे ज्यादा रना बनाये थे। ब्रिस्बेन हीट की कप्तानी छोड़ने पर लिन ने कहा, पिछले तीन वर्षों से हीट की कप्तानी करना बहुत बड़ा सम्मानजनक रहा है और इसके लिए मैं खिलाड़ियों, कोचिंग और बैकरूम स्टाफ और प्रशंसकों और प्रायोजकों के समर्थन का आभारी हूं। उन्होंने कहा, मुझे खिलाड़ियों का नेतृत्व करने पर बहुत गर्व है और मैंने कप्तान के रूप में अपने समय का वास्तव में आनंद लिया है। मैंने अपने फैसले के बारे में बहुत सोचा और मुझे लगता है कि यह किसी और के लिए बागडोर संभालने का सही समय है। साथ ही कहा कि अब वह एक खिलाड़ी के तौर पर भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। साथ ही कहा कि पिछले सत्र के बीबीएल के बाद समूह वास्तव में अच्छी जगह पर है और मुझे लगता है कि यह क्लब के लिए और एक खिलाड़ी के रूप में मेरे लिए भी अच्छा रहेगा।

भारतीय टेनिस खिलाड़ी बोपन्ना और दिविज ओलंपिक में जगह बनाने से चूके

नई दिल्ली।

तोक्यो ओलंपिक की टेनिस स्पर्धा में पदक की भारत की उम्मीदों को झटका लगा जब रोहन बोपन्ना और दिविज शरण पुरुष युगल के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे। इसके साथ ही मिश्रित युगल में भी भारत की कोई जोड़ी नहीं होगी जहां देश के पास पदक जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका होता। संभावना थी कि 113 की खराब संयुक्त रैंकिंग के बाद बोपन्ना (38) और बायें हाथ के खिलाड़ी दिविज (75) का ओलंपिक में जगह बनाना बड़े पैमाने पर खिलाड़ियों के हटने पर निर्भर करता। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''आईटीएफ (अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ) ने पुष्टि की है कि बोपन्ना और दिविज पुरुष युगल में टीम के रूप में प्रवेश नहीं कर सकते। हालांकि 16 जुलाई तक चीजों में बदलाव हो सकता है (अगर और अधिक खिलाड़ी हटते हैं तो)।'' संपर्क करने पर एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने कहा कि प्रविष्टियों की पूरी सूची हाथ में आने के बाद ही वह स्पष्ट तौर पर कुछ कह पाएंगे। सूत्रों के अनुसार अगर कुछ खिलाड़ी हटते भी हैं तो भी 24 सीधे प्रवेश में से 22 टीमों के लिए कट 60 से 70 के बीच रहने की उम्मीद है। हालांकि अंतिम क्वालीफाइंग रैंकिंग की पुष्टि अभी नहीं की जा सकती। अगर और अधिक खिलाड़ी हटते हैं तो भी भारत की पुरुष युगल में टीम होने की संभावना बेहद कम है। प्राथमिकता एकल रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को दी जाएगी, इसके बाद एकल-युगल संयोजन और फिर युगल-युगल रैंकिंग संयोजन को जगह मिलेगी। काफी शीर्ष खिलाड़ी एकल ड्रॉ का हिस्सा नहीं है और युगल में भी लगातार खेलने वाले कम रैंकिंग वाले खिलाड़ी ओलंपिक में दो स्पर्धाओं में खेलने के मौके से नहीं चूकना चाहेंगे। प्रत्येक खिलाड़ी को दो स्पर्धाओं में हिस्सा लेने की स्वीकृति है। नियमों के अनुसार वही खिलाड़ी मिश्रित टीम स्पर्धा का हिस्सा हो सकते हैं जिन्होंने पहले ही किसी मुख्य ड्रॉ (एकल या युगल) में जगह बनाई हो। बोपन्ना को अगर महिला युगल में सानिया मिर्जा के साथ जोड़ी बनानी है तो उनके लिए पुरुष युगल में जगह बनाना अनिवार्य है। सानिया मिर्जा चौथी बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगी। वह महिला युगल में अंकिता रैना के साथ जोड़ी बना रही हैं। सानिया और बोपन्ना 2016 में कांस्य पदक जीतने के करीब पहुंचे थे लेकिन कांस्य पदक के प्ले आफ मुकाबले में चेक गणराज्य के राडेक स्टेपनेक और लूसी हरादेका की जोड़ी के खिलाफ सीधे सेटों में हार गए। कोविड-19 महामारी के कारण कम टूर्नामेंटों के आयोजन से भारतीय खिलाड़ियों को अपनी रैंकिंग में सुधार करने के अधिक मौके नहीं मिले।

मिताली और अश्विन के नाम खेल रत्न के लिए भेजेगा बीसीसीआई

अर्जुन पुरस्कार के लिए धवन, राहुल और तेज गेंदबाज बुमराह नामांकित

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि राजीव गांधी खेल रत्न के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन जबकि महिला वर्ग से क्रिकेटर मिताली राज के नाम भेजे जाएंगे। वहीं अर्जुन पुरस्कार के लिए बोर्ड अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन, लोकेश राहुल और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नाम भेजेगा। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, ''अर्जुन पुरस्कार के लिए किसी महिला क्रिकेटर को नामांकित नहीं किया गया है। खेल रत्न के लिए मिताली के नाम की सिफारिश की गई है।'' मिताली ने पिछले सप्ताह ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 22 साल पूरे किए। यह 38 वर्षीय खिलाड़ी सात हजार से अधिक रन के साथ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे सफल बल्लेबाज है। वहीं अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने 79 टेस्ट में 413 विकेट लेने के अलावा एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी 150 और 42 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर धवन श्रीलंका में सीमित ओवरों की श्रृंखलाओं में भारत की कप्तानी करेंगे और वह अर्जुन पुरस्कार के प्रबल दावेदार हैं। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने 142 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 5977 रन बनाने के अलावा टेस्ट क्रिकेट और टी20 मैचों में भारत के लिए 2315 और 1673 रन बनाए। इसके अलावा तेज गेंदबाज बुमराह ने अपने पदार्पण के बाद से शानदार गेंदबाजी की है और वह भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं। युवा राहुल का प्रदर्शन भी पिछले कुछ समय में अच्छा रहा है। वह आईपीएल की एक टीम के कप्तान भी हैं।

चिलचिलाती गर्मी ने कर दिया है परेशान तो इन जगहों पर घूमें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

सोलो ट्रेवलिंग पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

ट्रेवलिंग करने का अपना एक अलग ही आनंद है। यूं तो लोग अधिकतर अपने दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों के साथ ट्रेवलिंग करना अधिक पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से सोलो ट्रेवलिंग का चलन भी काफी बढ़ा है। सोलो ट्रेवलिंग से व्यक्ति के मन में एक गजब का आत्मविश्वास आता है, हालांकि यह कभी-कभी रिस्की भी हो सकता है। इतना ही नहीं, अनजान शहर में जब आप कभी अकेले फंस जाते हैं तो आपको काफी परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि सोलो ट्रेवलिंग से पहले आप इसकी पूरी तैयारी कर लें, ताकि आपका यह सफर स्ह्ह्द्द्द्द्ह्ह ना बन जाए। तो चलिए जानते हैं कि सोलो ट्रेवलिंग के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखा जाए-

अच्छी तरह करें रिसर्च

यह सोलो ट्रेवलिंग का सबसे पहला और महत्वपूर्ण नियम है। जब आप अकेले घूमने का प्लॉन कर रहे हैं तो पहले इंटरनेट के माध्यम से उस जगह के बारे में अच्छी तरह जान लें। साथ ही आप जिस होटल में रूकने वाले हैं, उसके बारे में व उसके आसपास की जगहों के बारे में भी पता लगाएं। इससे आपको दो लाभ होंगे। सबसे पहले तो आपको पैकिंग में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर, जब आपको काफी कुछ पहले से ही पता होगा तो अनजान शहर में आपको अकेला देखकर लोग आपका फायदा नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि उन्हें ऐसा लगेगा कि आप यहां पहले भी कई बार आ चुके हैं और यहां की अधिकतर जगहों से वाकिफ हैं।

सही तरह से करें पैकिंग

जब आप सोलो ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो पैकिंग पर अतिरिक्त ध्यान दें। अपनी जरूरत का हर सामान पैक करें। हो सकता है कि नए शहर में आपको वह चीज आसानी से ना मिले, हालांकि अपना कीमती सामान साथ ना ही रखें तो बेहतर होगा। इसके अलावा, आप अपनी जरूरी डॉक्यूमेंट्स की एक सॉफ्ट कॉपी अपनी मेल आईडी पर जरूर रखें ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर आप उसे इस्तेमाल कर पाएं।

कैरी करें कैश

आजकल डिजिटल जमाना है, इसलिए अधिकतर लोग कैश कैरी करना पसंद नहीं करते और ना ही उन्हें यह एक सुरक्षित तरीका लगता है। लेकिन ऐसा ना करें। सोलो ट्रेवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ कैश अवश्य रखें। साथ ही साथ इस बात का भी ख्याल रखें कि आप उन्हें केवल एक जगह पर ही ना रखें। दरअसल, बाहर घूमते समय चोरी होने की संभावना बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर आपने कई अलग-अलग जगहों पर पैसे रखे होंगे तो चोरी होने पर भी आपको समस्या नहीं होगी।

रखें सेफ्टी किट

यह एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। चूंकि आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो ऐसे में आपकी सुरक्षा का जिम्मा आपका ही है। इसलिए अपने बैग में एक सेफ्टी किट अवश्य बनाएं। जिसमें आप चाकू, पेपर स्प्रे, व अन्य चीजें रख सकते हैं। किसी अप्रिय स्थिति में यह चीजें आपके बेहद काम आएंगी। साथ ही साथ आप अपने किसी करीबी या प्रियजन को अवश्य बताएं कि आप कहां घूमने जा रहे हैं और आपके ट्रेवलिंग टाइमिंग्स क्या है। साथ ही साथ दिन में दो बार उससे बात अवश्य करें।

ना करें जाहिर

भले ही सोलो ट्रेवलिंग आपको एक अनुभव प्रदान करती हो, लेकिन जब आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि आप इस बात को सामने वाले पर जाहिर ना होने दें। कभी भी अनजान व्यक्ति से अपनी ट्रेवलिंग से जुड़ी सारी बातें शेयर ना करें और ना ही किसी को यह पता लगने दें कि आप अकेले ट्रेवल कर रहे हैं।

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इंदौर में गुलावट लोटस वैली के बारे में बता रहे हैं-

इन चीजों का लें आनंद

गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते हैं, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी हैं जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय

वैसे तो लोटस वैली में आप कभी भी जा सकते हैं, लेकिन यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी तक का माना जाता है। जब इस वैली में फूल बेहतरीन तरीके से खिले होते हैं। इसके अलावा, यह सलाह दी जाती है कि आप सुबह जल्दी घाटी की यात्रा करें। ऐसा इसलिए है क्योंकि कमल की जड़ें कीचड़ में दबी रहती हैं। वे हर रात नदी के पानी में डूब जाते हैं और अगली सुबह आश्चर्यजनक रूप से फिर से खिलते हैं। इसलिए, यदि आप चमचमाते स्वच्छ कमल देखना चाहते हैं, तो समय पर पहुंचें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में विस्फोट में पांच लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान में अफगानिस्तान से लगती सीमा के पास स्थित एक कस्बे में मंगलवार को एक मकान में हुए विस्फोट में तीन बच्चों समेत कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि धमाका खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दरवाजगई जांच चौकी के पास लांडी कोटल कस्बे में स्थित एक घर में हुआ। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में तीन बच्चे और एक महिला शामिल है। उन्होंने बताया कि विस्फोट में छह लोग घायल भी हुए हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने विस्फोट की जांच के आदेश दिए हैं।

अफगानिस्तान में तैनात जर्मनी सैनिकों की अंतिम टुकड़ी 20 साल बाद स्वदेश रवाना

बर्लिन। जर्मनी की रक्षा मंत्री ने बताया कि उनके सैनिकों की अंतिम टुकड़ी भी मंगलवार को अफगानिस्तान से रवाना हो गई। जर्मनी के सैनिक करीब बीस साल तक वहां तैनात रहे। रक्षा मंत्री एनेग्रेट क्रैम्प-कैरेनबाउर ने ट्वीट में बताया कि अंतिम बचे सैनिक भी मंगलवार शाम को अफगानिस्तान से सुरक्षित तरीके से रवाना हो गए। 2001 से लेकर अब तक अफगानिस्तान में तैनात रहे 1,50,000 सैनिकों का उन्होंने आभार जताया और कहा कि ''वे इस मिशन पर गर्व कर सकते हैं।'' जर्मनी की सेना ने बताया कि ये सैनिक जॉर्जिया के त्बिलिसी के रास्ते जर्मनी की ओर रवाना हो रहे हैं और जर्मन टुकड़ी के अंतिम कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अंसगर मेयर 'एयरबस ए400एम' पर सवार हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के एक मई से अफगानिस्तान से सभी अमेरिकी सैनिकों की वापसी के फैसले के समर्थन में नाटो ने करीब सात हजार गैर-अमेरिकी सैनिकों को वहां से वापस बुलाने का अप्रैल में फैसला किया था। तब अफगानिस्तान में जर्मनी के करीब 1,100 सैनिक थे। सैनिकों की रवानगी के बीच, 120 वाहन और छह हेलीकॉप्टर समेत उपकरणों से भरे करीब 750 कंटेनर समुद्री मार्ग और जमीन के रास्ते जर्मनी भेजे गए हैं।

फ्लोरिडा इमारत हादसा : मृतक संख्या बढ़कर 12 हुई, लापता लोगों की तलाश जारी

सर्फसाइड (अमेरिका)। मियामी-डेड काउंटी की मेयर डेनिएला लेविन कावा ने बताया कि मलबे से एक और शव मिलने के बाद फ्लोरिडा में इमारत ढहने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है और 149 लोग अब भी लापता हैं। मेयर ने बताया कि वह और उनके कर्मचारी इंजीनियरिंग, निर्माण एवं भूविज्ञान विशेषज्ञों तथा अन्य लोगों से मुलाकात करेंगे ताकि भवन सुरक्षा मुद्दों की समीक्षा की जाए और सुझावों पर काम हो ताकि '' यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी त्रासदी दोबारा ना हो।'' स्टेट अटॉर्नी कैथरीन फर्नांडीज रुंडले ने भी सर्फसाइड में बृहस्पतिवार को 12 मंजिला इमारत ढहने की घटना की 'ग्रैंड ज्यूरी' जांच का आश्वासन दिया है। इमारत छह दिन पहले ढही थी और गवर्नर रॉन डेसैन्टिस ने मलबे में लोगों की खोज जारी रखने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा ''हम खोज बंद नहीं करने जा रहे हैं। जब तक लोगों का पता नहीं चल जाता, तब तक वह लापता हैं और हमें लापता लोगों की तलाश करनी है। हमने उम्मीद नहीं खोई है।'' मंगलवार को व्हाइट हाउस ने घोषणा की थी कि राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन बृहस्पतिवार को सर्फसाइड जाएंगे।

जूडो क्लास के दौरान बच्चे को कोच ने 27 बार पटका, दो महीने कोमा में रहने को बाद मौत

ताइपेई। जूडो क्लास के दौरान 27 बार फ्लोर पर पटके जाने के चलते 7 साल के बच्चे की मौत हो गई है। वह बीते दो महीने से कोमा में था, लेकिन उबर नहीं सका। अस्पताल की ओर से जारी बयान में बच्चे की मौत की जानकारी दी गई है। दरअसल ताइवान के हुआंग नाम के बच्चे को उसके जूडो कोच ने क्लास के दौरान 27 बार फ्लोर पर पटका था और उसके चलते वह बेहोश हो गया था। इसके बाद तुरंत ही उसे फेंग युआन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 21 अप्रैल को हुई इस घटना के बाद से ही वह कोमा में चला गया था, लेकिन उसे दो साल तक चले इलाज के बाद भी बचाया नहीं जा सका।

बिना यात्रा परमिट के 8 इजरायली यात्रियों को फ्लाइट से बाहर किया गया

तेल अवीव, 30 जून (आईएएनएस)। कोविड के प्रकोप से अधिक प्रभावित देश की यात्रा करने के लिए विदेशी पासपोर्ट का उपयोग करके यात्रा करने की कोशिश करने वाले आठ इजरायली यात्रियों को रूस जा रही एक फ्लाइट से उतार दिया गया।
स्वास्थ्य मंत्रालय और जनसंख्या और आप्रवासन प्राधिकरण द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि मंगलवार शाम को उड़ान से हटाए जाने के बाद, आठ लोगों को आगे की जांच के लिए इजरायली पुलिस को सौंप दिया गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल सरकार वर्तमान में रूस सहित छह देशों को कोविड के लिए उच्च जोखिम वाले गंतव्यों के रूप में सूचीबद्ध किया है । इन इजरायलियों को तब तक जाने की अनुमति नहीं है जब तक कि उन्हें विशेष अनुमति नहीं दी जाती है। इस सूची में अन्य पांच देश मेक्सिको, भारत, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और अर्जेंटीना हैं। उन देशों में से किसी से भी लौटने वाले व्यक्ति, जिनमें टीकाकरण वाले लोग भी शामिल है, उनको 14 दिनों के लिए घर पर क्वारंटीन करना होगा। प्रधान मंत्री नफ्ताली बेनेट ने पहले ही कह दिया था कि इजराइल उच्च कोविड 19 संक्रमण दर वाले देशों से प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है।

वोट बटोरने के लिए लेबर पार्टी ने किया मोदी का विरोध तो अपने नेताओं की ही झेलनी पड़ी नाराजगी

मटेरा (इटली)। (एजेंसी)।

इंग्लैंड में उपचुनाव के लिए लेबर पार्टी की प्रचार सामग्री पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल किए जाने पर भारी हंगामा हुआ। आरोप है कि उत्तरी इंग्लैंड के उपचुनाव में लेबर पार्टी ने नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणी कर वोट बटोरने का प्रयास किया। जिसके बाद प्रवासी भारतीय समूहों ने लेबर पार्टी को विभाजनकारी और भारत विरोधी करार दिया।

वेस्ट यॉर्कशायर में बाटली और स्पेन में गुरुवार को होने वाले उपचुनाव के प्रचार के दौरान प्रचार सामग्री पर नरेंद्र मोदी की 2019 में जी-7 शिखर सम्मेलन में कंजरवेटिव पार्टी के नेता व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ हाथ मिलाते हुए तस्वीर छपी है। जिसके साथ टोरी सांसद के बारे में एक संदेश लिखा है कि उन्हें बचकर रहना चाहिए।

टोलर्स ने जमकर दी प्रतिक्रियाएं

रिपोर्ट्स के मुताबिक टोरी सांसद रिचर्ड होल्डन ने ट्विटर कर एक तस्वीर साझा की। जिस पर तीखी प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं। एक ट्विटर यूजर ने होल्डन से सवाल पूछा कि क्या इसका मतलब यह है कि लेबर पार्टी के नेता सर कीर स्टार्मर को भारतीय प्रधानमंत्री के साथ हाथ मिलाते हुए नहीं देखा जाएगा ? वहीं अन्य यूजर ने इसे पार्टी का भारत विरोधी रुख बताया।

क्या लेबर पार्टी भारत के साथ नहीं रखेगी संबंध ?

भारतीय समुदाय के संगठन कन्जरवेटिव फ्रैंड्स ऑफ इंडिया (सीएफआईएन) ने कहा कि प्रिय कीर स्टार्मर, क्या आप इस प्रचार सामग्री की व्याख्या कर सकते हैं और स्पष्ट कर सकते हैं कि क्या लेबर पार्टी का कोई प्रधानमंत्री/राजनेता दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ कोई संबंध रखने से इनकार करेगा ? क्या ब्रिटेन में भारतीय समुदाय के 15 लाख से अधिक सदस्यों के लिए आपका यह संदेश है।

लेबर पार्टी के नेता भी नाराज

नरेंद्र मोदी से जुड़े प्रचार सामग्री को लेकर लेबर पार्टी के नेताओं के बीच भी आक्रोश है। लेबर फ्रैंड्स ऑफ इंडिया (एलएफआईएन) ने इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। एलएफआईएन ने एक बयान में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लेबर पार्टी ने अपनी लीफलेट पर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और ब्रिटेन के सबसे करीबी दोस्तों में से एक भारत के प्रधानमंत्री की 2019 के जी-7 सम्मेलन की एक तस्वीर

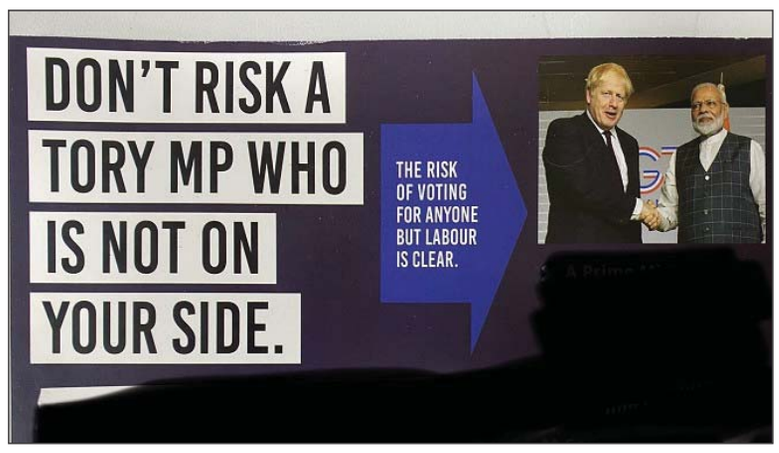

इस्तेमाल की है। लेबर पार्टी के भारतीय मूल के वरिष्ठ सांसद वीरेंद्र शर्मा ने भी इस कदम की निंदा की है।

कंजर्वेटिव सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि संसदीय उपचुनाव के लिए इस तरह के एक महत्वपूर्ण संबंधों को खतरे में डालना अपमानजनक लगता है।

फिलिस्तीन ने इजरायल के साथ अरब सामान्यीकरण डील की निंदा की

रमाल्लाह । फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने हाल के दिनों में कुछ अरब देशों द्वारा इजराइल के साथ किए गए सामान्यीकरण समझौतों की निंदा की है। अब्बास ने मंगलवार को एक ऑनलाइन संबोधन में कहा, इस्राइल द्वारा हाल ही में कुछ अरब देशों के साथ संबंधों को सामान्य करने के समझौते एक भ्रम हैं, जो सफल नहीं होंगे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा कि इजरायल के कब्जे के अंत में शांति और सुरक्षा केवल हासिल की जाएगी। अब्बास ने यह भी कहा कि इजरायल के साथ शांति केवल फिलिस्तीनी लोगों के वैध अधिकारों की मान्यता, मुख्य रूप से स्वतंत्रता, स्वतंत्रता और एक फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के अधिकारों की मान्यता से प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा, हम दर्दनाक ऐतिहासिक शांति समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमत हुए, संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों 242 और 338 के तहत इजराइल राज्य को मान्यता दी, और 1993 में ओस्लो समझौते पर हस्ताक्षर किए, यहूदी राज्य ने इन समझौतों का उल्लंघन किया है। पिछले साल सितंबर में, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन ने इजराइल के साथ अलग अलग सामान्यीकरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। बाद में, मोरक्को और सूडान उनके नक्शेकदम पर चले थे।

भारत ने साइबरस्पेस के जरिये सीमा पार आतंकवाद की चेतावनी दी, वैश्विक कार्रवाई का आवाहन

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

30 जून (आईएएनएस)। भारत ने साइबर स्पेस के जरिये कई देशों और आतंकी संगठनों द्वारा सीमा पार आतंकवाद को लेकर चेतावनी देते हुए ग्लोबल साइबर सिक्यूरिटी को लेकर अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई का आह्वान किया है।

साइबरस्पेस से उत्पन्न होने वाली अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए खतरों को रेखांकित करते हुए, भारत के विदेश सचिव हर्षवर्धन ने मंगलवार को सुरक्षा परिषद से कहा, हमें साइबर स्पेस में एक सहयोगी नियम, आधारित दृष्टिकोण अपनाने और इसके खुलेपन, स्थिरता और सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की आवश्यकता है। निरस्त्रीकरण मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्च प्रतिनिधि, इजुमी नाकामित्सु ने भी साइबर हमलों से होने वाले जोखिमों के बारे में चेतावनी दी और कहा कि ऐसी स्थितियाँ विकसित हो सकती हैं जो इन तकनीकों के शत्रुतापूर्ण उपयोग के लिए राज्यों को आक्रामक मुद्रा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस जोखिम और वैश्विक अस्थिरता पैदा करने के लिए आपराधिक समूहों और अन्य की क्षमता के कारण, सुरक्षा परिषद को साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने में शामिल होना चाहिए। वर्धन ने कहा, साइबर स्पेस की सीमाहीन प्रकृति, और अधिक महत्वपूर्ण रूप से शामिल अभिनेताओं की गुमनामी ने संप्रभुता, अधिकार क्षेत्र और गोपनीयता की पारंपरिक रूप से स्वीकृत अवधारणाओं को चुनौती दी है। आतंकवाद के शिकार के रूप में, भारत ने हमेशा सदस्य देशों को साइबर डोमेन के आतंकवादी शोषण के प्रभावों को और अधिक रणनीतिक रूप से संबोधित करने और निपटने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा, कुछ देश अपने राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी उद्देश्यों को हासिल करने और सीमा पार आतंकवाद के समकालीन रूपों में लिप्त होने के लिए साइबर स्पेस में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर उपकरणों का इस्तेमाल स्वास्थ्य और ऊर्जा सुविधाओं सहित महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे पर हमलों के माध्यम से राज्य की सुरक्षा से समझौता करने और कट्टरपंथ के माध्यम से सामाजिक सद्भाव को बाधित करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने सोशल मीडिया का इस्तेमाल आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने और नफरत और हिंसा भड़काने, युवाओं की भर्ती करने और धन जुटाने के लिए दूषित प्रचार के लिए किया है। वर्धन ने मैलवेयर से होने वाले खतरों की चेतावनी दी जो राज्यों के बीच संभावित फ्लैशप्वाइंट बना सकते हैं।

उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में है कि सभी अभिनेता अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों और प्रतिबद्धताओं का पालन करें और उन कार्रवाई में शामिल न हों जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और आईसीटी (सूचना संचार प्रौद्योगिकी) उत्पाद में व्यापार पर संभावित विघटनकारी प्रभाव डाल सकते हैं। व्यापक चिंताएं हैं कि राज्य और गैर राज्य अभिनेता आईसीटी नेटवर्क और उत्पादों में पिछले दरवाजे चैनलों सहित कमजोरियों और हानिकारक छिपे हुए कार्यों को पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आईसीटी (ओईडब्ल्यूजी) के विकास पर ओपन एंडेड वर्किंग ग्रुप (ओईडब्ल्यूजी) को आगे आम जमीन खोजने और पहले से सहमत साइबर मानदंडों और नियमों में सुधार करने के लिए लीवरेज किया जाना चाहिए। 2018 में महासभा द्वारा स्थापित ओईडब्ल्यूजी ने इस मार्च में अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसने गोद लेने के लिए विशिष्ट नियमों या विनियमों की सिफारिश नहीं की, लेकिन आम सहमति के क्षेत्रों को रेखांकित किया और आगे के परामर्श का सुझाव दिया। वर्धन ने कोरोना वायरस के खिलाफ भारत के टीकाकरण अभियान में को विन प्लेटफॉर्म की भूमिका का हवाला देते हुए आईसीटी की सकारात्मक क्षमता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत इसे साझेदार देशों के साथ साझा कर रहा है।

भारत की कोवैक्सीन कोविड के डेल्टा स्वरूप को प्रभावी तरीके से बेअसर कर देती है: एनआईएच

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) ने कहा है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से भारत बॉयोटेक द्वारा विकसित कोवैक्सीन कोरोना वायरस के अल्फा और डेल्टा स्वरूपों को प्रभावी तरीके से बेअसर करती है। एनआईएच ने कहा कि कोवैक्सीन लगवाने वाले लोगों के रक्त सीरम के दो अध्ययनों के परिणाम बताते हैं कि यह टीका ऐसे एंटीबॉडी विकसित करता है, जो सार्स-सीओवी-2 के बी.1.1.7 (अल्फा) और बी.1.617 (डेल्टा)स्वरूपों को प्रभावी तरीके से बेअसर करते हैं, ये स्वरूप सबसे पहले क्रमशः ब्रिटेन और भारत में पाए गए थे। शीर्ष अमेरिकी स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान ने कहा कि उसकी वित्तीय मदद से विकसित एक सहायक औषधि ने

अत्यधिक प्रभावशाली कोवैक्सीन की सफलता में योगदान दिया है, जिसे भारत एवं अन्य स्थानों में अब तक लगभग दो करोड़ 50 लाख लोगों को लगाया जा चुका है।

सहायक औषधियां प्रतिरक्षा क्षमता और टीके की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए उसके हिस्से के रूप में तैयार की जाती हैं। एनआईएच ने बताया कि कोवैक्सीन में सार्स-सीओवी-2 के एक अक्षम रूप को शामिल किया गया है जो अपनी प्रति नहीं बना सकता, लेकिन वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी बनाने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करता है। उसने कहा कि टीके के दूसरे चरण के परीक्षण के प्रकाशित परिणाम बताते हैं कि यह सुरक्षित है। उसने बताया कि कोवैक्सीन के तीसरे चरण के परीक्षण के सुरक्षा संबंधी आंकड़े इस साल के अंत में उपलब्ध हो जाएंगे। उसने कहा, ''इस बीच, तीसरे चरण के परीक्षण के अप्रकाशित अंतरिम परिणाम से संकेत मिलता है कि यह टीका लक्षण वाले संक्रमण के खिलाफ 78 प्रतिशत प्रभावशाली है। यह गंभीर कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ 100 प्रतिशत प्रभावशाली और और बिना लक्षण वाले संक्रमण के खिलाफ 70 प्रतिशत प्रभावशाली है।'' एनआईएच के हिस्से 'एलर्जी एवं संक्रामक रोगो के राष्ट्रीय संस्थान (एनआईएआईडी)' के निदेशक एंथनी एस फाउची ने कहा कि एक वैश्विक महामारी को समाप्त करने के लिए वैश्विक स्तर पर कदम उठाने की आवश्यकता है।

टीकाकरण सलाह पर ऑस्ट्रेलियाई राज्य सहमत

कैनबरा (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई राज्य कोविड टीकाकरण कार्यक्रम पर संघीय सरकार की नई टिप्पणी से सहमत हैं जिसमें कहा गया है कि 40 साल से कम आयु का कोई भी व्यक्ति अब अपने सामान्य चिकित्सक से संपर्क कर सकता है और एस्ट्राजेनेका खुराक के लिए अनुरोध कर सकता है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, क्वींसलैंड राज्य के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी जेनेट यंग ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वो नहीं चाहती कि 40 वर्ष से कम उम्र के लोगों को रक्त के थक्के के जोखिम की वजह से एस्ट्राजेनेका वैक्सीन मिले। उन्होंने कहा मैं नहीं चाहती कि 40 साल से कम उम्र के लोगों को एस्ट्राजेनेका मिले.. यह दुर्लभ है, क्योंकि उनमें दुर्लभ क्लॉटिंग सिंड्रोम होने का खतरा बढ़ जाता है। हमने यूके में उस सिंड्रोम से 49 लोगों की मौत देखी है। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहती कि क्वींसलैंड का 18 वर्षीय एक शख्स क्लॉटिंग बीमारी से मर जाए। अगर उन्हें कोविड हो जाए, तो टीके से शायद उनकी मृत्यु नहीं हो। ऑस्ट्रेलिया में कोविड के कारण कम उम्र के लोगों की बहुत कम मौतें हुई हैं। राज्य के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी की टिप्पणी प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन द्वारा मंगलवार को घोषणा किए जाने के बाद आई है कि 40 वर्ष से कम आयु का कोई भी व्यक्ति अब अपने जीपी से संपर्क कर सकता है और एस्ट्राजेनेका वैक्सीन का अनुरोध कर सकता है। रक्त के थक्कों और निम्न रक्त प्लेटलेट्स की कई रिपोर्टों के एस्ट्राजेनेका वैक्सीन से जुड़े होने की पुष्टि होने के बाद, 60 साल से ज्यादा उम्र के ऑस्ट्रेलियाई लोगों को वैक्सीन की सिफारिश की गई थी। फाइजर, 60 वर्ष से कम आयु के ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए अनुशंसित टीका है। हालांकि, विदेशों से इसका आयात करने की आवश्यकता है। क्वींसलैंड के प्रीमियर अनास्तासिया पलास्जजुक ने यंग को यह कहते हुए सुना गया कि 40 से कम उम्र के लोगों को एस्ट्राजेनेका प्रदान करने के बारे में कोई राष्ट्रीय कैबिनेट का निर्णय नहीं था। अब, क्वींसलैंड में, हम हमेशा मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी की सलाह का पालन करते हैं। इसलिए मैं क्वींसलैंडर्स से आग्रह करती हूं कि डॉ यंग को सुनें, और हमारे मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी की सलाह का पालन करें। क्वींसलैंड राज्य कुछ क्षेत्रों में शाम 6 बजे से तीन दिवसीय लॉकडाउन में प्रवेश कर रहा है। मंगलवार को, यहां तीन नए स्थानीय मामले दर्ज किए गए।

अफगानिस्तान ने पाक को चेताया, तालिबान को समर्थन देना जारी रखा तो चुकानी होगी भारी कीमत

मुंबई। (एजेंसी)।

तालिबान को लेकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर से टकराव की स्थिति देखने को मिल रही है। अफगानिस्तान के पहले उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए साफ तौर पर कह दिया है कि अगर वह आतंकी संगठन तालिबान को समर्थन देना जारी रखता है तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इतना ही नहीं, सालेह ने अपने बयान में यह भी कहा कि पाकिस्तान के पास एक मौका है कि वह शांति वार्ता का आयोजक बनते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने पाक के लिए यह भी कहा कि उसे अफगानिस्तान का विश्व स्तर साझेदार बनने का यह अंतिम अवसर है। आपको बता दें कि अफगानिस्तान पाकिस्तान पर देश में छद्म युद्ध करने का आरोप लगाता रहता है।

संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान और अफगानिस्तान में कई अलग-अलग आतंकवादी समूह फिलहाल सक्रिय हैं। इन आतंकवादी समूह में कम से कम पाकिस्तान के 6500 नागरिक शामिल हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका ने भी माना है कि अफगानिस्तान में हिंसा में वृद्धि हो रही है। अफगानिस्तान में अमेरिका के शीर्ष जनरल ने कहा कि देश में सुरक्षा की स्थिति खराब होती जा रही है क्योंकि अमेरिका अपने तथाकथित ''हमेशा के युद्ध'' को रोकने जा रहा है। जनरल ऑस्टिन एस. मिलर ने कहा कि तालिबान देश में जिलों पर तेजी से कब्जा करता जा रहा है जिनमें कई जिलों के सामरिक महत्व हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि राष्ट्रीय सुरक्षा बल के सहयोग के लिए तैनात मिलिशिया के कारण देश में गृह युद्ध छिड़ सकता है। मिलर ने अफगानिस्तान में संवाददाताओं से कहा कि फिलहाल उनके पास हथियार है और वे अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों का सहयोग करने में सक्षम हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि केवल राजनीतिक समाधान से ही युद्धग्रस्त देश में शांति लौट सकती है। उन्होंने कहा, ''राजनीतिक समझौते से ही अफगानिस्तान में शांति आएगी। और यह महज विगत 20 वर्ष से नहीं है। वास्तव में यह पिछले 42 वर्षों से है।''

अफगान तालिबानियों के परिवार पाकिस्तान में रहते हैं: पाकिस्तानी गृह मंत्री

जून पाकिस्तान के एक शीर्ष मंत्री ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा है कि अफगान तालिबान आतंकवादियों के परिवार राजधानी इस्लामाबाद के मशहूर इलाकों समेत विभिन्न क्षेत्रों में रहते हैं और कभी-कभी स्थानीय अस्पतालों में उनका इलाज भी किया जाता है। पाकिस्तान अफगानिस्तान के नेताओं की इन आरोपों को निरंतर खारिज करता रहा है कि तालिबान...अफगानिस्तान में विद्रोही गतिविधियों को निर्देशित करने और आगे बढ़ाने लिए पाकिस्तानी धरती का उपयोग करता है। पाकिस्तान के निजी टीवी चैनल जियो न्यूज पर रविवार को प्रसारित साक्षात्कार में गृह मंत्री शेख राशिद ने कहा, तालिबानियों के परिवार यहां पाकिस्तान के रवात, लोही भेर, बहारा कहू और तरनोल जैसे इलाकों में रहते हैं। मंत्री ने जिन इलाकों का जिक्र किया उन्हें इस्लामाबाद के मशहूर उपनगरीय इलाके कहा जाता है। राशिद ने उर्दू-के चैनल से कहा, कभी-कभार उनके (लड़ाकों) के शव अस्पताल लाए जाते हैं, तो कभी-कभी वे इलाज के लिये यहां आते हैं।

अफगानिस्तान पर तालिबान का नियंत्रण हुआ तो पाकिस्तान अपनी सीमा बंद कर देगा: कुरैशी

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि अमेरिका की वापसी के बाद अफगानिस्तान में हिंसा व अराजकता उत्पन्न हो सकती है और यदि तालिबान का इसपर नियंत्रण होगया तो पाकिस्तान इस देश से लगी सीमा बंद कर देगा। कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान पहले ही 35 लाख अफगानिस्तानियों को शरण दे चुका है, लेकिन अब वह और शरणार्थियों को स्वीकार नहीं करेगा। वह मध्य मुल्तान शहर में आयोजित साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, हम और शरणार्थियों को नहीं ले सकते, हम अपनी सीमा बंद कर देंगे। हमें अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करनी है। कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान देश में शांति के कूटनीतिक प्रयास जारी रखेगा और इसके लोकतांत्रिक रूप से चुने हुए नेतृत्व का

स्वागत करता रहेगा। साल 1989 में तत्कालीन सोवियत संघ की वापसी के बाद मुजाहिदीन समूहों के बीच छिड़ी आपसी लड़ाई के चलते लाखों अफगानिस्तानी भागकर पाकिस्तान आ गए थे। अमेरिका में 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद अमेरिका नीत गठबंधन ने तालिबान को अफगानिस्तान की सत्ता से उखाड़ फेंका था। हालिया कुछ सप्ताह में तालिबान लड़ाकों ने दक्षिणी और उत्तरी अफगानिस्तान के विभिन्न जिलों पर कब्जा कर लिया है। साथ ही वह सरकारी सुरक्षा बलों को समर्पण कराने और उनके हथियार तथा सैन्य वाहनों को जब्त करने के प्रयास कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आम आदमी पार्टी के काफिले पर हमला, एक कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल

क्रांति समय दैनिक

जूनागढ़ ,जिले के लेरिया गांव में आम आदमी पार्टी (आप) के काफिले पर हमला किए जाने की खबर है। जूनागढ़ आम आदमी पार्टी के नेता इसुदान गढ़वी, महेश सवानी पर हमला किया गया। मिली जानकारी के अनुसार जूनागढ़ के लेरिया गांव में इसुदान गढ़वी और महेश सवानी समेत आम आदमी पार्टी के नेताओं पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया. हमले में एक कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गया।

जूनागढ़ के विसावदर में आम आदमी पार्टी के नेताओं पर कथित तौर पर पथराव किया गया। हमला विसावदर में लारिया आप पार्टी की बैठक से पहले हुआ। हमलावरों ने आप नेता ईशुदान गढ़वी और महेश सवानी की कार के शीशे तोड़ दिए। हमलावरों ने पांच से सात वाहनों के शीशे तोड़ दिए। पथराव में दो लोग घायल हो गए। पुलिस की तैनाती के बीच आप नेताओं पर भी हमला किया गया। हमले के बाद आप द्वारा लारिया का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया था।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया को सोमनाथ मंदिर से बाहर कर दिया गया था। गोपाल इटालिया ने प्रभास पाटन थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। गोपाल इटालिया ने दावा किया कि हमला भाजपा से प्रेरित लोगों ने किया। आपका इसुदान और गोपाल इटालिया सोमनाथ दर्शन पहुंचे। गोपाल इटालिया का संपूर्ण ब्रह्म समाज और हिंदू संगठनों ने विरोध किया था। मंदिर परिसर में गोपाल इटालिया पर हमला करने का असफल प्रयास किया गया था। सूरत के इस पूर्व प्रसिद्ध व्यवसायी महेश सवानी आज आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। वह आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में सवानी पार्टी में शामिल हुए।

मास प्रमोशन के कारण कक्षा 10 के सभी 8.57 लाख विद्यार्थी उत्तीर्ण, 100 प्रतिशत परिणाम

क्रांति समय दैनिक

गुजरात शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10 के नतीजों की घोषणा कर दी है। मास प्रमोशन के कारण इतिहास में पहली बार 100 प्रतिशत परिणाम आया है। कक्षा 10 के सभी 857204 लाख विद्यार्थी पास को पास कर दिया गया है। मंगलवार की देर रात कक्षा 10 नतीजे द्द्यद्दङ्घ.श्द्दद्ध की वेबसाइट पर जारी किया। वेबसाइट पर जारी नतीजे केवल स्कूलें ही देख पाएंगी, विद्यार्थी नहीं। कक्षा 10 के परिणाम में इस साल ए-1 ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा हुआ है। पिछले साल ए-1 ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 1671 थी, जो इस बार मास प्रमोशन के चलते बढ़कर 17186 पर पहुंच गई है। कक्षा 10 के 57362 को ए-2 ग्रेड, 100973 को बी-1 ग्रेड, 150432 को बी-2, 185266 को सी-1 ग्रेड, 172253 को सी-2 ग्रेड और 172732 विद्यार्थियों को डी ग्रेड यानी ग्रेसिंग मार्क दिए गए हैं। कक्षा 10 उत्तीर्ण होने वालों में 490482 लड़के हैं और 366722 लड़कियां हैं। संस्कृत विषय में सबसे अधिक 35036 विद्यार्थियों को ए-1 ग्रेड मिले हैं। 17186 विद्यार्थियों ने ए-1 ग्रेड के साथ बोर्ड में टॉप स्थान हासिल किया है। सामाजिक विज्ञान में 27913 विद्यार्थियों ने ए-1 ग्रेड प्राप्त किया है। सबसे अधिक 185266 विद्यार्थियों को सी-1 ग्रेड मिला है। जबकि 173732 विद्यार्थियों को ग्रेसिंग मार्क के साथ पास किया गया है। गणित में 26809 विद्यार्थियों ने ए-1 ग्रेड और विज्ञान में 20865 विद्यार्थियों को ए-1 ग्रेड मिला है। राज्य में सबसे अधिक सूरत के 2991 विद्यार्थियों को ए-1 ग्रेड प्राप्त हुआ है। राजकोट के 2056 और अहमदाबाद के 2039 विद्यार्थियों ने ए-1 ग्रेड प्राप्त किया है। गौरतलब है सरकार ने पहले मास प्रमोशन के नियमों में एल.सी. में मास प्रमोशन का उल्लेख करने का फैसला था। लेकिन विवाद के बाद सरकार ने अपना फैसला बदल दिया। कक्षा 10 के विद्यार्थियों को दिए जाने वाले एल.सी. में अब मास प्रमोशन के बजाए केवल माध्यमिक शिक्षा पूर्ण होने का उल्लेख किया जाएगा। कक्षा 10 के पश्चात विद्यार्थी यदि उसी स्कूल में कक्षा 11 में जाता है तो नियमों के मुताबिक एल.सी. देना होगा। सरकार के फैसले के मुताबिक सभी डीईओ ने नया परिपत्र जारी कर आदेश दिया है कि एल.सी. में रिमार्क्स के कोलम में माध्यमिक शिक्षा पूर्ण होने का उल्लेख करना होगा। जबकि स्कूल छोड़ने के मामले में प्रमाण पत्र में 31 मई 2021 दर्शाना होगा।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

यूपी धर्मांतरण केस में यूपी और गुजरात एटीएस ने वडोदरा के सलाउद्दीन को गिरफ्तार किया

क्रांति समय दैनिक

उत्तर प्रदेश के धर्मांतरण केस में यूपी एटीएस और गुजरात एटीएस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए वडोदरा के सलाउद्दीन अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है। उत्तर प्रदेश धर्मांतरण मामले में गुजरात कनैक्शन सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। उत्तर प्रदेश एटीएस एक सप्ताह से सलाउद्दीन अंसारी की तलाश कर रही थी। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे से सलाउद्दीन अंसारी को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण मामले में जिन पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उनसे पूछताछ में सलाउद्दीन अंसारी का नाम सामने आया था। इस खुलासे के बाद उत्तर प्रदेश एटीएस और गुजरात एटीएस ने संयुक्त

कार्यवाही करते हुए सलाउद्दीन अंसारी को गिरफ्तार कर अहमदाबाद जिला कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर लिया है। आरोपी सलाउद्दीन किसी एनजीओ से जुड़ा है और विदेश से फंड प्राप्त कर मौलाना गौतम को पहुंचाता था। सलाउद्दीन के अन्य तीन साथियों की भूमिका के बारे में उत्तर प्रदेश एटीएस जांच कर रही है और आनेवाला समय में मौलाना गौतम से जुड़े सलाउद्दीन के अलावा अन्य कई आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना है।

सार-समाचार

नाबालिग लड़की को माता बनाकर छोड़ देनेवाले पति के खिलाफ मामला दर्ज

सूरत,शहर के चौक बाजार के फूलवाडी क्षेत्र में रहनेवाली एक नाबालिग लड़की ने स्थानीय पुलिस थाने में दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसके आधार पर चौक बाजार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक चौक बाजार के फूलवाडी क्षेत्र निवासी 17 वर्षीय नाबालिग लड़की भरी माता रोड पर मदीना मस्जिद के सामने रहनेवाले अनस खलील सिद्दीकी के पिता की किराना की दुकान पर सामान खरीदने जाया करती थी। अनस सिद्दीकी ने नाबालिक लड़की को अपने प्रेम जाल में फांस लिया और शादी की लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। जिससे नाबालिग लड़की गर्भवती हो गई। लड़की के गर्भवती होने पर गत 31 जनवरी 2021 को रिती रिवाज के मुताबिक दोनों का निकाह हो गया। बाद में अनस ने अपनी बीवी को प्रसूति के लिए उसके मायके भेज दिया। जहां उसने एक संतान को जन्म दिया, जो तीन महीने की हो चुकी है। पत्नी और संतान को लाने के बजाए उसके चरित्र पर संदेह करते हुए ले जाने से इंकार कर दिया। जिससे नाबालिग लड़की ने अनस सिद्दीकी के खिलाफ चौक बाजार पुलिस थाने में रपट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

हनीट्रेप के शिकारी खुद हो गए शिकार, युवती समेत चार लोग गिरफ्तार

जूनागढ़,शहर में हनीट्रेप की एक घटना सामने आई है, जिसमें एक युवती की मदद से तीन शख्सों ने एक व्यक्ति से तीन लाख ऐंठने का प्रयास किया है। लेकिन शिकारी व्यक्तिसे रूपए लेते उससे पहले ही पुलिस ने उनका शिकार कर लिया और एक युवती समेत चार लोगों को सलाखों के पीछे धकेल दिया। जानकारी के मुताबिक सबीना उर्फ सबू नामक युवती गत 25 जून को जूनागढ़ के धोराजी रेलवे फाटक के निकट गेटकिपर के कमरे में गई थी। कमरे में गेटकिपर मौजूद था, जिसके सामने सबीना पूरी तरह निर्वस्त्र हो गई। बाद में गेटकिपर के भी सारे कपड़े उतरवा दिए। सबीना और गेटकिपर के निर्वस्त्र होने के बाद सलमान, बशीर और आर्यन नामक शख्स वहां पहुंच गए और दोनों का अश्लील वीडियो बना लिया। जिसके बाद गेटकिपर से 5 लाख रूपए की मांग की। हांलाकि बाद में तीन लाख रूपए में सौदा तय हो गया। गेटकिपर ने मामले की पुलिस से शिकायत कर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

उत्तर प्रदेश की पंचायत का अजीब इंसाफ, बलात्कार के आरोपी को पड़ेंगी पांच चप्पल

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले की एक ग्राम पंचायत ने अजीबोगरीब फैसला लेते हुए एक नाबालिग लड़की से कथित बलात्कार का मामला सुलझाने के लिये 50,000 रुपये का आर्थिक दंड लगाने के साथ ही आरोपी को पांच चप्पल मारने को कहा। ग्राम पंचायत का फैसला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद महाराजगंज के पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने मंगलवार को अधिकारियों को लड़की की मेडिकल जांच कराने और उसका बयान दर्ज करने का निर्देश दिया। पुलिस के अनुसार, 23 जून को कोठीभर थाना क्षेत्र की रहने वाली लड़की की मां ने गांव के एक लड़के द्वारा उनकी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए शिकायत ग्राम पंचायत में की। इसके बाद पंचायत ने युवती से 50 हजार रुपये लेने और पंचायत के सामने आरोपी को पांच चप्पलें मारने के बाद समझौता करने को कहा। पुलिस के मुताबिक, पंचायत के फैसले से असंतुष्ट लड़की के परिवार ने 25 जून को कोठीभर पुलिस से संपर्क किया और पुलिस ने भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया। महाराजगंज के पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने कहा, मेडिकल परीक्षण में बलात्कार की पुष्टि हो जाने के बाद संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि सिर्फ कोविड संबंधी प्रतिबंधों के कारण सार्वजनिक परिवहन सेवा के लिए लंबी कतारें लग रही हैं, बल्कि इसकी असली वजह पेट्रोलियम उत्पादों के ऊंचे दाम हैं। उन्होंने ट्वीट किया, ''सार्वजनिक परिवहन सेवा के लिए लंबी-असुविधाजनक कतारों की वजह सिर्फ कोविड प्रतिबंध नहीं हैं। असली वजह जानने के लिए अपने शहर में पेट्रोल-डीज़ल के दाम देखें।'' कांग्रेस पिछले कुछ महीनों से सरकार पर लगातार आरोप लगा रही है कि वह पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर हर साल लाखों रुपये कमा रही है, लेकिन कोविड संकट के समय आम लोगों को आर्थिक मदद देने के लिए कदम नहीं उठा रही है। उल्लेखनीय है कि देश के कई शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक और डीजल की कीमत 90 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा है।

बंबई हाई कोर्ट का फैसला, महाराष्ट्र सरकार कोविड-19 के दौरान राजनीति रैलियों पर रोक लगाए

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार को महामारी के दौरान लागू कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाली राजनीतिक रैलियों कोरोकना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी की पीठ ने पूछा कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए बड़ी सभाओं पर रोक के बावजूद इस महीने की शुरुआत में पड़ोसी नवी मुंबई में एक हवाई अड्डे के नाम को लेकर आयोजित रैली सहित ऐसी रैलियों की अनुमति कैसे दे दी गई। पीठ ने कहा कि अगर राज्य भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में असमर्थ रही, तो अदालत को दखल देना पड़ेगी और ऐसी किसी भी राजनीतिक रैली पर रोक लगानी होगी। उच्च न्यायालय ने राज्य के महाधिवक्ता आशुतोष कुंभकोनी से कहा, 'आपको (महाराष्ट्र सरकार) कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाली किसी भी राजनीतिक रैली को रोकने के लिए अपने तंत्र को सक्रिय करना होगा।' उच्च न्यायालय ने कहा, 'अगर आप इसे संभाल नहीं सकते हैं, तो इसे अदालत को करने दें। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम अदालतें बंद कर रहे हैं, हम (महामारी के मद्देनजर राज्य की ओर से लागू प्रोटोकॉल और प्रतिबंधों का पालन करने की वजह से)पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे हैंऔर फिर भी, ये राजनीतिक नेता रैलियों का आयोजन कर रहे हैं?' पिछले हफ्ते, हजारों लोगों ने सीबीडी बेलापुर इलाके में प्रदर्शन किया था।

डॉक्टर्स दिवस को आधिकारिक रूप से मनाने का योगी से आग्रह

लखनऊ। यूपी नर्सिंग होम एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से 1 जुलाई को सरकारी स्तर पर नेशनल डाक्टर्स डे मनाने का आग्रह किया है। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में महामारी में स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका की सराहना की थी। नर्सिंग एसोसिएशन ने कहा कि इस अवसर पर अस्पतालों में छुट्टी घोषित करने की कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन डॉक्टरों को उनके प्रदर्शन के लिए सम्मानित करने के कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। एसोसिएशन ने यह भी कहा कि महामारी के दौरान जान गंवाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को शहीद के सम्मान से नवाजा जाना चाहिए। उनके सम्मान में एक स्मारक भी बनाया जाना चाहिए।

बीजेपी नेतृत्व से मिलने दिल्ली जाएंगे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत

नई दिल्ली। उत्तराखंड भाजपा का चिंतन शिविर समाप्त होने के एक दिन बाद, मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत को पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने दिल्ली बुलाया है। रावत बुधवार को पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ राज्य के राजनीतिक हालात पर चर्चा करने नई दिल्ली पहुंचेंगे। मंगलवार को भगवा पार्टी की उत्तराखंड इकाई के तीन दिवसीय चिंतन शिविर पर चर्चा और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप देने का काम रामनगर में संपन्न हुआ।

यूपी में जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव भाजपा और सपा के लिए बना साख का सवाल

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले हो रहा जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव भाजपा और सपा के लिए साख का सवाल बनता जा रहा है। नामांकन वापसी के दिन ही तय हो गया है कि अब बची 53 सीटों में कड़ा मुकबला होगा।

पिछली सरकारों की तरह इस बार भी अपने पक्ष में नतीजे लाने के प्रयास जारी है। भाजपा का दावा है इस बार उसने 21 सीटों पर निर्विरोध अध्यक्ष जीते हैं। सपा में इससे पहले 36 जिला पंचायत अध्यक्ष चुने गये थे। सपा ने 2015 में इस चुनाव में खूब खेला किया था। जिला पंचायत अध्यक्ष की 53 सीटों पर 3 जुलाई को चुनाव होगा। इनमें से अधिकांश सीटों पर समाजवादी पार्टी और भाजपा की सीधी टक्कर होने जा रही है। भाजपा का दावा है कि 90 फीसदी सीटों पर उनकी पार्टी ही जीत दर्ज करेगी। वर्तमान में अयोध्या, सुल्तानपुर, में त्रिकोणीय संघर्ष देखने को मिल रहा है। रायबरेली में कांग्रेस की आरती और भाजपा की रंजना चौधरी के बीच सीधी लड़ाई है। ऐसे ही सीतापुर में भाजपा की श्रद्धा नागर सपा की अनीता राजवंशी और निर्दलीय चन्द्रप्रभा कनौजिया और प्रीति सिंह के बीच दंगल तय है। बाराबंकी में भी सपा और भाजपा की लड़ाई है। ऐसे ही अम्बेडकर नगर में भाजपा के श्याम सुंदर और सपा के अजीत यादव के बीच मुकबला होगा। किसान आंदोलन के बीच चर्चा का विषय बना पश्चिमी यूपी भी भाजपा और सपा दोनों की साख का सवाल बना है। बागपत, मुजफ्फरनगर, शामली, हापुड़, बिजनौर में भाजपा और विपक्ष के बीच कांटे का मुकबला देखने को मिलेगा। इसी प्रकार बरेली में सपा की विनीता गंगवार और भाजपा की रश्मि पटेल के बीच कड़ी टक्कर देखी जा रही है। पूर्वांचल में भी भाजपा और सपा के बीच सीधी टक्कर होगी। चंदौली, गाजीपुर, मिजार्पुर, बलिया, आजगढ़ और सोनभद्र में दो-दो प्रत्याशी ही नामांकन वापसी के बाद मैदान में हैं। पंचायत चुनाव को देखते हुए सत्ताधारी दल भाजपा ने बहुत पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी। भाजपा अपना लक्ष्य तय करते हुए आगे बढ़ रही है। भाजपा की ओर से स्थानीय विधायक, सांसद और संगठन के लोग चुनाव जीताने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित कहते हैं, 21 जिला पंचायत अध्यक्ष की सीटें भाजपा ने निर्विरोध जीती हैं। मोदीजी-योगी जी के नेतृत्व में जनकल्याण के कदमों व सांगठनिक नेतृत्व की कुशलता से जनता का विश्वास भाजपा में और दृढ़ हुआ है। यही कारण है कि जनता के चुने प्रतिनिधि भी भाजपा में अपना भरोसा दिखा रहे हैं। बांकी जिलों में भी भाजपा विजय हासिल करेगी। बहुजन समाज पार्टी के चुनाव में भाग न लेने के बाद उनके सदस्यों पर दोनों पार्टियों की निगाहें भी होंगी। सपा ने बसपा के कई सारे लोगों को तोड़कर अपने पाले में लिया है। इससे भी संकेत मिल रहा है। बसपा अपना हिसाब बराबर जरूर करेगी। लेकिन वह किस ओर रूख करेगी, इस पर सबकी निगाहें लगी है।

उधर समाजवादी पार्टी की कमान खुद अखिलेश यादव ने संभाल ली है। कई प्रत्याशियों के पाला बदलने के बाद वह खुद मोर्चे पर डट गये हैं। वह जिलों में पदाधिकारियों से फीडबैक ले रहे हैं। विधानसभा चुनाव से पहले सत्ता का सेमीफाइनल माने जाने वाले इस चुनाव में कोई कोर कसर नहीं

छोड़ना चाहते हैं। अखिलेश ने अपने एक बयान पर सत्ताधारी दल भाजपा पर निशाना साधा और कहा, जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में सत्ता दल ने जनादेश के साथ खिलवाड़ किया है। बलपूर्वक सपा प्रत्याशियों को नामांकन से रोकने के अलावा उनके समर्थकों पर दबाव बनाने के लिए हर अनैतिक हथकंडा अपनाया गया। ज्ञात हो कि तीन जुलाई को राज्य के 53 जिलों में पंचायत अध्यक्ष के लिए वोट पड़ेंगे। 75 जिलों में 159 नामांकन हुए थे। जिनमें से 7 खारिज हो गये थे। 14 नामांकन वापस लिए गये हैं। 22 जिलों में एक प्रत्याशी बचने से निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। 53 जिलों में 138 के बीच मुकबला होगा।

भाजपा का 'आप'-कांग्रेस पर निशाना, कहा- एक को पंजाब की समझ नहीं तो दूसरी खत्म होने की कगार पर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अगले साल पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी अपनी गतिविधियों को तेज करने की कोशिश में है। पंजाब में आम आदमी पार्टी लगातार वहां मेहनत कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल पिछले दिनों पंजाब दौरे पर थे जहां उन्होंने कई चुनावी घोषणाएं की। दूसरी ओर सत्ता में आने के लिए कांग्रेस लगातार मंत्रणा बैठक कर रही है। खास बात यह है कि कांग्रेस में भले ही आपसी टकराव की स्थिति है। लेकिन उसे पंजाब में सत्ता वापसी की उम्मीद है। इसी

को लेकर हरियाणा के गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल विज ने बड़ा बयान दिया है।

पंजाब दौरे पर गए केजरीवाल के ऐलान को लेकर अनिल विज ने तंज किया है। अनिल विज ने कहा कि आम आदमी पार्टी को पंजाब की समस्याओं का ज्ञान नहीं। अगर वो सोचते हैं कि दिल्ली मॉडल पंजाब में लगा देंगे तो यह नहीं हो सकता है। दिल्ली में टैक्स वसूली ज्यादा है लेकिन पंजाब भुखमरी के कगार पर है। अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार बनने पर प्रत्येक घर को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया। आप के नेता ने उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर पंजाब में चौबीसों घंटे बिजली देने और लंबित बिजली बिलों को माफ करने का भी वादा किया।

कांग्रेस पर हमला करते हुए अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस खत्म होने के कगार पर है। इनके सभी जगह झगड़े चल रहे हैं। डूबते जहाज से चूहें छलांग मारकर जाते हैं वैसे ही इनके नेता छलांग मारकर जा रहे हैं। यह किसी पार्टी के खत्म होने की पूर्व चेतावनी होती है। आपको बता दें कि पंजाब में कांग्रेस कई गुटों में बंटी हुई है। एक ओर मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह है तो दूसरी ओर नवजोत सिंह सिद्धू। इसके अलावा सुनील जाखड़ और प्रताप सिंह बाजवा की भी अलग गुट है। पार्टी आलाकमान लगातार सभी गुटों को मिलाने की कोशिश में जुटा हुआ है। सिद्धू तो दिल्ली दौरे पर हैं और उनकी मुलाकात आलाकमान से हो रही है।

एमवीए सरकार को 'खतरे' के विपक्ष के दुष्प्रचार में कोई सच्चाई नहीं : संजय राउत

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार स्थिर है और सत्तारूढ़ गठबंधन को किसी तरह के ''खतरे'' के विपक्ष के दुष्प्रचार में कोई सच्चाई नहीं है। एमवीए सरकार में मतभेदों की अटकलों के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात करने के एक दिन बाद राउत की ये टिप्पणियां आयी हैं। एमवीए सरकार में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस शामिल हैं। ऐसी अफवाहें चल रही हैं कि शिवसेना अपने पूर्व सहयोगी दल भाजपा से सुलह करने पर विचार कर रही है।

राउत ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''सबकुछ ठीक है। एमवीए सरकार को कोई खतरा नहीं है। सरकार को किसी तरह के खतरे के विपक्ष के दुष्प्रचार में कोई सच्चाई नहीं है।'' मंगलवार को मुख्यमंत्री और राकांपा अध्यक्ष के बीच मुलाकात के बारे में पूछने पर राउत ने कहा कि उन्होंने ''मौजूदा राजनीतिक हालात'' पर चर्चा की। उन्होंने कहा, ''गठबंधन के दो बड़े नेता मुख्यमंत्री और सरकार के मुख्य मार्गदर्शक ने मुलाकात की।'' राज्यसभा सदस्य ने कहा कि बैठक के बाद उन्होंने भी पवार से बात की। कोविड-19 महामारी से लड़खड़ायी अर्थव्यवस्था के लिए हाल में केंद्र सरकार द्वारा घोषित पैकेज पर एक सवाल के जवाब में राउत ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि आम जनता इससे खुश है। आजीविका, नौकरियों को हुए नुकसान और बढ़ती बेरोजगारी पर लोगों की चिंताओं पर सरकार ने कुछ स्पष्ट नहीं किया।

ग्लोबल साइबर सुरक्षा इंडेक्स में भारत को मिला 10वां स्थान, जानिए कहां है चीन और पाक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

साइबर सुरक्षा के मामले में भारत की स्थिति पहले से बेहतर हुई है और इसकी जानकारी ग्लोबल साइबर सुरक्षा इंडेक्स के माध्यम से मिली है। आईटीयू के ग्लोबल साइबर सुरक्षा इंडेक्स 2020 में भारत ने 37 स्थानों की बढ़त के साथ शीर्ष 10 में अपनी जगह हासिल की है। प्रमुख साइबर सुरक्षा मानकों पर भारत को दुनिया में 10वां स्थान प्राप्त हुआ है।

भारत से पीछे है चीन और पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र की ओर कराए गए इस अध्ययन में साइबर सिक्योरिटी के लिहाज से विभिन्?न देशों की रैंकिंग की गई है। जिसमें चीन, पाकिस्?तान समेत अन्य देश शामिल हैं। लेकिन जब हम पड़ोसी देशों की बात करते हैं तो वह हमसे पीछे नजर आते हैं। ग्लोबल साइबर सुरक्षा इंडेक्स में चीन और पाकिस्तान क्रमशः 33वां और 79वां स्थान प्राप्त हुआ है।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की मांग का अध्याय अब बंद हो चुका है: बी वाई विजयेंद्र

मैसुरु। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के उपाध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने बुधवार को कहा कि उनके पिता एवं मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा को पद से हटाने की मांग करने वाले पार्टी नेताओं के एक धड़े की मुहिम का अध्याय अब बंद हो चुका है। विजयेंद्र से सवाल किया गया था कि क्या राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे संबंधी अध्याय अब बंद हो चुका है। इसके जवाब में उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''बिल्कुल। अब कोई इस बारे में बात नहीं कर रहा।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महासचिव और कर्नाटक प्रभारी अरुण सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा है कि येदियुरप्पा अच्छे से प्रशासन चला रहे हैं और भाजपा सरकार उनके नेतृत्व में कार्यकाल पूरा करेगी। उन्होंने कहा, ''जब राष्ट्रीय नेताओं, राज्य भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने भी यह कह दिया है कि वह (येदियुरप्पा) आगामी दो साल के लिए इस पद पर बने रहेंगे, तो (नेतृत्व में बदलाव का) मामला बार-बार उठाने की आवश्यकता नहीं है।'' यह पूछे जाने पर कि कुछ भाजपा नेता आए दिन दिल्ली क्यों जा रहे हैं, विजयेंद्र ने कहा कि किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है और उनकी यात्रा को राजनीतिक रंग देना सही नहीं है, क्योंकि वे नेता वहां अपने निजी काम के लिए जाते हैं। इस महीने की शुरुआत में अरुण सिंह तीन दिनों के लिए बेंगलुरु में थे और उन्होंने येदियुरप्पा को हटाने की कुछ नेताओं की मांग की पृष्ठभूमि में मंत्रियों, विधायकों, पार्टी नेताओं और भाजपा राज्य कोर कमेटी के सदस्यों के साथ कई बैठकें कीं।

यूपी गेट पर बीजेपी कार्यकर्ताओं-किसानों के बीच जमकर मारपीट, गाड़ियों में भी तोड़फोड़

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कृषि कानून के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के प्रदर्शन को सात महीने हो चुके हैं। इसी बीच यूपी गेट गाजीपुर बॉर्डर पर सुबह किसानों और बीजेपी कार्यकताओं के बीच मारपीट की घटना सामने आई है। इसमें गाड़ियों में तोड़ फोड़ और कुछ लोगों के चोट लगने का दावा किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, सुबह 10 बजे करीब बीजेपी के कुछ कार्यकर्ता बीजेपी नेता अमित वाल्मीकि के स्वागत में आंदोलन स्थल के पास मौजूद थे, ढोल नगाड़े बजाकर उनका स्वागत किया जा रहा था। इसी दौरान किसानों ने भी इस बात पर आपत्ति जताई और उनको काले झंडे दिखाना शुरू कर दिए। देखते ही देखते दोनों गुटों की बीच मारपीट शुरू हो गई। बीजेपी एक कार्यकर्ता ने बताया, हम अपने नेता का स्वागत कर रहे थे और टिकैत अपने साथियों के साथ आया, उनके हाथों में लोहे के डंडे वगैरह थे। उन्होंने गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने करीब 70 से 80 गाड़ियों में तोड़फोड़ की है। बीजेपी रनिता सिंह महानगर उपाध्यक्ष ने कहा,

बीजेपी नेता अमित वाल्मीकि जी के स्वागत में हम शांतिपूर्ण खड़े हुए थे। उसी दौरान टिकैत के समर्थक हथियार लेकर आए और हमारी बहनों के साथ मारपीट की, जिससे कई महिलाएं चोटिल हो गईं हैं।

दूसरी ओर किसानों का आरोप है कि भाजपा के कुछ कार्यकर्ता आंदोलन स्थल पहुंच किसानों के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे, तभी किसानों और उनके बीच मारपीट हुई। किसानों द्वारा ये भी कहा जा रहा है कि, भाजपा कार्यकता गाली -गलौच कर रहे थे। किसानों ने इसपर अप्पति जताई तो उन्होंने पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। जिसके बाद ये घटना हुई । भारतीय किसान यूनियन के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष राजवीर सिंह जादौन ने आईएएनएस को बताया, भाजपा के कुछ कार्यकर्ता झंडे लेकर आंदोलन स्थल पहुंचे हुए थे। उसी दौरान किसानों के बीच मारपीट हुई, हम पुलिस को इस घटना की शिकायत देंगे। हमारे ऊपर आक्रमण हो और हम शिकायत न दें, ऐसा नहीं हो सकता। गाजियाबाद इंदिरापुरम के सीओ अंशु जैन ने आईएएनएस को बताया, बॉर्डर पर धरना पहले से ही चल रहा है। बीजेपी के एक नेता का काफिला आंदोलन स्थल से गुजर रहा था, उन्ही के स्वागत में कुछ कार्यकर्ता यहां मौजूद थे। किसानों और उनके बीच ये विवाद हुआ। एक दो गाड़ियों के साथ तोड़फोड़ हुई है।

भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद भारत बायोटेक को बड़ा झटका, ब्राज़ील ने सस्पेंड की कोवैक्सीन डील

हैदराबाद। (एजेंसी)।

भारत बायोटेक के कोविड-19 टीके-कोवैक्सीन की दो करोड़ खुराकें खरीदने पर सहमत हुई ब्राजील की सरकार ने समझौते में अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद करार को निलंबित करने की बुधवार को घोषणा की जबकि भारतीय दवा निर्माता ने कहा है कि उसे कोई अग्रिम भुगतान प्राप्त नहीं हुए हैं। शहर स्थित कंपनी ने कहा कि उसके कोई अग्रिम भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है और कहा कि कंपनी ने करार, नियामक मंजूरियों और आपूर्तियों के लिहाज से ''ब्राजील'' में भी ÷समान दृष्टिकोण'' का पालन किया जो उसने दुनिया के अन्य देशों में कोवैक्सीन की सफल आपूर्ति के लिए किया है।

ब्राजील सरकार के फैसले की घोषणा करते हुए, उसके स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि, 'संघ के महानियंत्रक कार्यालय (सीजीयू) की अनुसंशा पर, स्वास्थ्य मंत्रालय इस मंगलवार (29 जून) से कोवैक्सीन से कोविड-19 टीके की खरीद के लिए हुए करार को अस्थायी तौर पर निलंबित करता है।' मंत्रालय ने कहा, 'यह कदम ब्राजील में कोविड 19 के खिलाफ टीकाकरण अभियान की गति को प्रभावित नहीं करेगा और सार्वजनिक प्रशासन में अनुपालन व्यवहारों का अनुसरण करता है।÷ इस करार का मूल्यांकन स्वास्थ्य मंत्रालय का सत्यनिष्ठा निदेशालय करेगा जो प्रशासनिक जांच भी करेगा। इसने कहा कि यह इकाई करार की शर्तों को निर्धारित करने में 'नियंत्रक' के साथ काम करेगी। इसपर प्रतिक्रिया करते हुए, भारत बायोटेक ने कहा कि कंपनी को कोई अग्रिम भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है न ही इसने ब्राजील को किसी टीके की आपूर्ति की है। कंपनी ने एक बयान में कहा, '29 जून 2021 तक, भारत बायोटेक को कोई अग्रिम भुगतान नहीं मिला है न ही उसने ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय को टीके की आपूर्ति की है।'

इसने कहा, 'भारत बायोटेक ने करार, नियामक स्वीकृतियों और आपूर्तियों के लिहाज से उसी दृष्टिकोण का पालन किया है जो उसने दुनिया के उन देशों में भी किया जहां कोवैक्सीन की सफल आपूर्तियां की गई हैं।' प्रेसिसा मेडिकामेंटोस ब्राजील में भारत बायोटेक की साझेदार है जो नियामक प्रस्तुतियों, लाइसेंस, वितरण, बीमा, तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण आदि के आयोजन में सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध करा रही है। ब्राजील के साथ कोवैक्सीन करार उस वक्त विवादों में घिर गया जब दक्षिण अमेरिकी देश के अटॉर्नी जनरल ने सौदे में जांच शुरू कर दी। सीजीयू के मंत्री, वाग्नर रोसरियो ने बताया कि यह निलंबन एक एहतियाती उपाय है। उन्होंने कहा, 'हमने पिछले हफ्ते एक प्रारंभिक जांच शुरू की थी जो करार के संबंध में एक विशेष ऑडिट है। निलंबन की अवधि बस आकलन किए जाने तक रहेगी। हमने प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए प्रबल टीम को लगाया है।'

सीजीयू ने कहा कि उसने कोवैक्सीन के करार में संभावित अनियमितताओं में 24 जून को जांच शुरू की थी। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्री मार्सेलो क्रिरोगा ने ट्वीट किया, ÷सीजीयूऑनलाइन की अनुशंसा पर हमने कोवैक्सीन करार को अस्थायी रूप से निलंबित करने का फैसला किया है।÷ उन्होंने कहा, 'सीजीयू के प्रारंभिक विश्लेषण के मुताबिक, करार में कोई अनियमितता नहीं हैं लेकिन अनुपालन के कारण मंत्रालय ने और विश्लेषण के लिए करार को रोकने का फैसला किया है।' भारत बायोटेक लिमिटेड ने 26 फरवरी को कहा था कि उसने 2021 की दूसरी और तीसरी तिमाही के दौरान कोवैक्सीन की दो करोड़ खुराकों की आपूर्ति के लिए ब्राजील की सरकार के साथ एक समझौता किया है। इससे पहले, ब्राजील की राष्ट्रीय स्वास्थ्य निगरानी एजेंसी-अन्विसा ने आपातकालीन प्रयोग अधिकरण के तहत कोवैक्सीन के आयात की मंजूरी देने से मना कर दिया था जब अधिकारियों ने पाया कि भारतीय संयंत्र, जहां टीका बनाया जा रहा है, वह वस्तु निर्माण प्रक्रिया (जीएमपी) की जरूरतों को पूरा नहीं करता है। अन्विसा ने पांच जून को कुछ शर्तों के साथ दक्षिण अमेरिकी देश में कोवैक्सीन के आयात के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

ब्राजील ने चार जून को कोवैक्सीन के आपातकालीन प्रयोग की मंजूरी दी थी। भारत से बाहर की सरकारों को आपूर्ति के लिए कोवैक्सीन की कीमत 15 से 20 डॉलर प्रति खुराक तय की गई थी। ब्राजील के लिए भी कीमत 15 डॉलर प्रति खुराक ही दर्शाई गई है। भारत बायोटेक ने कहा कि उसे मंजूरी लंहित रहने और आपूर्तियों की प्रक्रिया जारी रहते हुए, कई अन्य देशों से अग्रिम भुगतान तय कीमतों से ऊपर प्राप्त हुई है। कंपनी ने उन सभी देशों, जहां उसके टीकों की आपूर्ति की गई है,सबमें इसी तरह का साझेदारी मॉडल अपनाया है क्योंकि वहां उसके अपने कार्यालय नहीं हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)